परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट - 10

आरबीआई की डिप्टी गर्वनर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 10

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 11

भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 3, पृष्ठ 12+4 | मूल्य 6 रुपये

कर्तव्यों का निर्वहन करने से ही मिलते हैं अधिकार : मोदी

- संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है, साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

एक की गलती से पूरी व्यवस्था दोषी नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में अपने उद्बोधन में कहा कि अगर कोई व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए, बल्कि गलती के सुधारने का अवसर देना चाहिए। कोई बार-बार गलती करता है तो अवसर देते हुए प्रभावी कदम उठाने को कहना चाहिए।

सीएम ने छात्रों, शिक्षकों, व्यापारी, शासकीय सेवा में कार्य करने वाला कार्मिकों आदि का उदाहरण देते हुए सभी को कर्तव्यों का अहसास कराया और कहा कि यदि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं तो वह संविधान को सम्मान दे रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी से उत्तरदायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहा है तो वह देश के संविधान का अनादर कर रहा है।

इसके पूर्व अतिथियों ने भारत व बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस दौरान लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम योगी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्यप्रताप शाही, दारा सिंह चौहान, धर्मपाल सिंह समेत कई मंत्री मौजूद रहे।

- योगी बोले - उत्तरदायित्वों का निर्वहन न करने का अर्थ संविधान का अनादर करना

ईमानदारों की हो कद्र

योगी ने कहा कि कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना सारी बातों का निचोड़ है। पड़ोस में आग लगी है और हम उस बुझाने में योगदान नहीं दे रहे हैं तो देर-सवेर हम भी उसकी चपेट में आएंगे। व्यक्ति ईमानदारी से कार्य कर रहा है तो सम्मानजनक मानदेय व जीने का अधिकार मिलना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज अधिकारी वाला ने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। यूआईडीएआई ने आधार के डेटाबेस को सटीक बनाए रखने के लिए मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है। यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है।

आईएसआई के लिए जासूसी करने वाला वकील गिरफ्तार

गुरुग्राम। नूंह पुलिस ने एक केंद्रीय जांच एजेंसी की सूचना पर एक अधिवक्ता को जासूसी करने और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अधिवक्ता की पहचान नूंह जिले के खरखड़ी गांव निवासी रिजवान के रूप में हुई है और वह गुरुग्राम की अदालत में वकालत करता है। रिजवान को दो दिन पहले पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था और अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य अधिवक्ता को भी हिरासत में लेकर उसकी भूमिका की जांच की जा रही है।

भारत को मेजबानी, अहमदाबाद में होगा राष्ट्रमंडल खेल- 2030 का आयोजन

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा में मंजूरी, नाइजीरिया का दावा खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद में कई जगह लग गए हैं राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन संबंधी बैनर।

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं।

> बहुत खुशी है कि भारत ने शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी की बोली जीत ली है! भारत के लोगों और खेल इकोसिस्टम को बधाई। यह हमारा सामूहिक कमिटमेंट और खेल भावना है जिसने भारत को ग्लोबल स्पोर्टिंग मैप पर मजबूती से जगह दिलाई है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ, हम इन ऐतिहासिक खेलों को बड़े उत्साह के साथ मनाने और दुनिया का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। - **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

> कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। - **पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में ये खेल अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे।

2031 विश्व एथलेटिक्स और 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप मेजबानी का भी दावा

ग्लास्गो। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान चुने गए अहमदाबाद का 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी स्थल के तौर पर प्रस्ताव दिया गया है क्योंकि यह शहर 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने के लिए बड़े टूर्नामेंट कराना चाहता है। गुजरात सरकार में प्रधान सचिव खेल अश्वनी कुमार ने कहा, हम 2028 में अंडर 20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 में विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2033 में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी चाहते हैं। 2029 में हम विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करने जा रहे हैं।

- ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल- 2026 का बजट बहुत कम कर 114 मिलियन पाउंड रखा गया है। इस कारण कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे कुछ प्रमुख खेलों को बाहर कर दिया गया। भारत इसका कड़ा विरोध कर रहा था क्योंकि इससे उसकी पदक जीतने की क्षमता पर गहरा असर पड़ा।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार पांच लोगों की मौत

संवाददाता,लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पदुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा
- शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीबी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

पान मसाला कंपनी के मालिक की पुत्रवधू ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में कमला पसंद पान मसाला कंपनी के मालिक की 40 वर्षीय पुत्रवधू ने अपने घर पर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को महिला के पति ने उसे घर में फंदे से लटका हुआ पाया।

पुलिस ने बताया कि पान मसाला कंपनी के मालिक कमल किशोर चौरसिया की पुत्रवधू दीप्ति चौरसिया की शादी 2010 में हुई थी। झगड़ों के कारण पति-पत्नी अलग-अलग घरों में रह रहे थे। जांच के दौरान एक सुसाइड नोट मिला जिसमें महिला ने वैवाहिक कलह का आरोप लगाया था। एक डायरी भी मिली जिसमें पति के साथ विवादों का जिक्र है। इस बीच कंपनी मालिक के पारिवारिक वकील राजेंद्र सिंह ने आरोपों को गलत बताया।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप-3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

बड़ी कामयाबी

- विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

दलीलों का दौर शुरू

सुप्रीम कोर्ट ने शुरू की तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल की याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई

पहले कभी एसआईआर नहीं हुआ, ये चुनौती का आधार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि यह तर्क कि देश में पहले कभी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद नहीं हुई, उन राज्यों में इस प्रक्रिया को शुरू करने के निर्वाचन आयोग के फैसलों की वैधता पर सवाल उठाने का आधार नहीं बन सकता। कई राज्यों में एसआईआर करने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि आयोग के पास फॉर्म 6 में प्रविष्टि की शुद्धता निर्धारित करने की अंतर्निहित शक्ति है। किसी भी व्यक्ति को मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए फॉर्म छह भरना होगा।

पीठ ने दोहराया कि आधार कार्ड नागरिकता का पूर्ण प्रमाण नहीं देता है और इसीलिए हमने कहा कि यह दस्तावेजों की सूची में से एक दस्तावेज होगा, यदि किसी को हटाया जाता है तो उसे हटाने का नोटिस देना होगा। सीजेआई ने कहा, आधार लाभ प्राप्त करने के लिए कानून द्वारा बनाया गया एक प्रावधान है।

प्रावधान असंवैधानिक : सिब्बल

सिब्बल ने एसआईआर को ऐसा मामला बताया जो लोकतंत्र को प्रभावित करता है और आम मतदाता पर फार्म भरने का असंवैधानिक बोझ डालता है। ऐसा न करने पर उनका बहिष्कार हो सकता है। प्रक्रियात्मक औचित्य के बजाय संवैधानिक सुरक्षा उपायों पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। कहा, किसी भी नाम को हटाने के लिए उचित और निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन होना चाहिए।

सत्यता तय करने का अधिकार : पीठ

पीठ ने कहा, दस्तावेजों की सत्यता निर्धारित करने के लिए आयोग के पास हमेशा अंतर्निहित संवैधानिक अधिकार रहेगा। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, समावेशन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला फॉर्म 6, निर्वाचन आयोग को बिना सत्यापन के प्रविष्टियां स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति बागची ने मृत मतदाताओं को हटाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

याचिकाओं पर सुनवाई का कार्यक्रम तय

पीठ ने आयोग से तमिलनाडु की याचिका पर एक दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा, याची दो दिन में प्रत्युत्तर दाखिल करेंगे। याचिकाएं चार दिसंबर को सूचीबद्ध होंगी। केरल की याचिकाओं पर आयोग एक दिसंबर तक जवाब दाखिल करेगा। याचिकाओं पर सुनवाई दो दिसंबर को होगी।

न्यूज ब्रीफ

ईटीएम खराब होने पर नहीं होगी वसूली

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने अपने कर्मचारियों को राहत देने वाला एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब ईटीएम (इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन) के पहली बार डैमेज या खराब होने पर संबंधित कर्मचारी से कोई वसूली नहीं की जाएगी। इस मशीन के प्रतिस्थापन का पूरा खर्च निगम स्वयं वहन करेगा। उक्त के संबन्ध में परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा दोबारा मशीन को डैमेज किया जाता है, तो उसकी लागत की भरपाई कर्मचारी से ही की जाएगी।

विकसित यूपी-पर्यटन कार्यशाला आज से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विश्वस्तरीय पर्यटन हब बनाने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग गुरुवार को योजना भवन में 'विकसित उत्तर प्रदेश @ 204-पर्यटन कार्यशाला' का आयोजन कर रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में प्रदेश के पर्यटन भविष्य के लिए निर्णायक रोडमैप तैयार किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि यह कार्यशाला 'पर्यटन विजन दस्तावेज़ 2047' के निर्माण की आधारशिला बनेगी, जिससे स्थानीय समुदायों को सशक्त करने, पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाले ठोस सुझाव सामने आएंगे।

आयुष्मान : समय सीमा में दूर की शिकायतें

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जनवरी 2025 से अब तक ऑनलाइन पोर्टलों व अन्य माध्यम से मिलने वाली कुल 32,949 शिकायतों में 32,706 शिकायतों का निस्तारण समय सीमा के भीतर कर दिया है, जबकि शेष शिकायतें प्रक्रिया में हैं। ये शिकायतें विभिन्न स्टेकहोल्डर्स लाभार्थी, सूचीबद्ध चिकित्सालय, इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी तथा अन्य नागरिकों द्वारा की गयी थीं। यह जानकारी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेन्सिव हेल्थ एण्ड इण्टीग्रेटेड सर्विसेज़ (साचीज) की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने दी। उन्होंने बुधवार को बताया कि कुछ आयुष्मान कार्डधारकों का भौतिक सत्यापन जनपद स्तर पर किया जा रहा है। ऐसे लाभार्थी अपने जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय से संपर्क कर सत्यापन पूर्ण करा सकते हैं।

पितृत्व को हर विवाद में डीएनए परीक्षण उचित नहीं: हाईकोर्ट

न्यायालय ने कहा - ऐसे आदेश केवल अपवाद स्वरूप ही पारित किए जा सकते हैं

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पितृत्व संदेह से उत्पन्न एक मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि बच्चे के पितृत्व पर विवाद उत्पन्न होने मात्र से डीएनए परीक्षण का आदेश देना न्यायालयों की सामान्य प्रक्रिया नहीं हो सकती।ऐसे आदेश केवल अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में ही पारित किए जा सकते हैं, जब इस बात के ठोस प्रमाण हों कि कथित प्रासंगिक अवधि में पति-पत्नी के बीच सहवास अथवा एक-दूसरे तक पहुंच की कोई संभावना ही नहीं थी। उक्त आदेश न्यायमूर्ति चव्हाण प्रकाश की एकलपीठ ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में रामराज पटेल द्वारा

दाखिल पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने अपने आदेश में आगे कहा कि मात्र पितृत्व पर सवाल खड़े कर देना डीएनए जांच हेतु बाध्यकारी आधार नहीं है। मामले के अनुसार याची ने दावा किया कि उसकी शादी अप्रैल 2008 में हुई। पत्नी उसके साथ केवल एक सप्ताह ही रही और दिसंबर 2012 में जन्मी बच्ची उसकी जैविक संतान नहीं है, क्योंकि पत्नी वर्ष 2011 से मायके में रह

- याची ने बच्ची के जैविक संतान न होने का दावा किया था

रही थी। इसी आधार पर उसने बच्ची का डीएनए परीक्षण कराने का आग्रह किया था। ट्रायल कोर्ट और बाद में वाराणसी के अपर सत्र न्यायाधीश ने यह आवेदन अस्वीकार कर दिया, जिसके विरुद्ध पति ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण दाखिल किया। कोर्ट ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 का हवाला देते हुए कहा कि विवाह के दौरान जन्मे बच्चे की वैधता के पक्ष में निर्णायक विधिक अनुमान लागू होता है यानी जब तक यह साबित न कर दिया जाए कि बच्चे के जन्म के समय दंपत्ति के बीच सहवास की संभावना शून्य थी, तब तक पति को पिता ही माना जाएगा।

कोर्ट ने यह भी माना कि गैर-पहुंच का अर्थ केवल सहवास न होना नहीं, बल्कि पक्षकारों के एक साथ रहने अथवा शारीरिक पहुँच के अवसर का पूर्ण अभाव होना चाहिए। अंत में कोर्ट ने पाया कि याची ने केवल पितृत्व न होने का दावा दोहराया, परंतु यह सिद्ध नहीं कर सका कि बच्ची के जन्म काल में पत्नी तक उसकी पहुँच असंभव थी।

अतः कोर्ट ने विशेष मजिस्ट्रेट और अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा डीएनए परीक्षण से इनकार को सही ठहराते हुए कहा कि निचली अदालतों के निष्कर्ष विधिसंगत हैं और आदेशों में कोई अवैधता नहीं है। मामले में संशोधन की कोई योग्यता न पाते हुए याचिका खारिज कर दी गई।

मुख्यमंत्री ने मूक-बधिर लड़की खुशी की जिंदगी में भर दीं खुशियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई एक छोटी मुलाकात ने कानपुर की 20 वर्षीय मूक-बधिर लड़की खुशी की जिंदगी में वाकई खुशियां भर दीं हैं। योगी आदित्यनाथ स्वयं आगे बढ़कर एक मासूम बच्ची का सहारा बने और उसके भविष्य को संवारने का वचन दिया है।

कानपुर के ग्वालटोली अहरानी निवासी खुशी अपने पिता कल्लू गुप्ता, माता गीता गुप्ता और भाई जगत गुप्ता के साथ 26 नवंबर को लखनऊ पहुंची। पिता कल्लू गुप्ता पहले संविदा पर गार्ड की नौकरी करते थे, जो अब छूट चुकी है। मां गीता गुप्ता घरों में काम करके परिवार का खर्च उठाती हैं। चित्र बनाने की शौकीन खुशी अपने मुख्यमंत्री को वह चित्र देना चाहती थी, जिसे उसने स्वयं बनाया था। बीते दिनों वह कानपुर से पैदल निकली और यहां पहुंचने के बाद वह

लखनऊ स्थित अपने आवास पर मूक बधिर खुशी को आशीर्वाद देते मुख्यमंत्री योगी।

- खुशी के लिए मुख्यमंत्री ने उठाई शिक्षा और आवास की जिम्मेदारी

रास्ता भटक गई। मुख्यमंत्री से मिलने की लालसा लिए खुशी लोकभवन के बाहर बैठकर रोने लगी। हजरतगंज पुलिस ने उसे संभाला और परिवार को उसकी सूचना दी। इससे पूर्व पिता ने स्थानीय थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जब मुख्यमंत्री को खुशी की यह कहानी पता चली तो उन्होंने इसका संज्ञान लेते हुए तुरंत उसके परिवार को अपने आवास पर बुलाने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने उसके लिए कानपुर स्थित मूकबधिर कॉलेज में शिक्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उसकी पढ़ाई और उसे मोबाइल और टैबलेट भी उपलब्ध कराया गया। राज्य सरकार की ओर से खुशी के कान के इलाज की भी व्यवस्था की जा रही है। खुशी के परिवार के लिए आवास की व्यवस्था का भी आश्वासन प्रदेश सरकार की ओर से दिया गया है।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स होगी और मजबूत

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में कहा कि फोर्स के लिए सभी 6 थानों और 8 यूनिटों में निरीक्षक, उपनिरीक्षक, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आरक्षी, सहित आवश्यक मैनपॉवर की स्थायी तैनाती और विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था शीघ्र पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसाधन और संरचना मजबूत होने के बाद कार्रवाई की गति और परिणामों में और वृद्धि होगी । उन्होंने कहा, टीम को आधुनिक उपकरण, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और उन्नत तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया जाय, ताकि कार्रवाई तेज हो सके। उन्होंने फोर्स के सभी थानों के लिए स्थायी भवन निर्माण किए जाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

स्काउट-गाइड है सेवा का प्रतीक : खन्ना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि स्काउट-गाइड एक पवित्र और सेवा-केंद्रित क्षेत्र है, जिसका मूल उद्देश्य दूसरों के कष्टों को दूर करना और जीवन को सरल बनाना है।

दुनिया के सभी मजहब मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म के रूप में मानते हैं और स्काउट-गाइड आंदोलन इसी भावना को आगे बढ़ाता है। वित्त मंत्री बुधवार को 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के

- वित्त मंत्री ने 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में पीजेंट शो का किया उद्घाटन

अंतर्गत आयोजित पीजेंट शो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने देश-विदेश से आए स्काउट-गाइड प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि आतिथ्य सत्कार भारतीय परंपरा की सबसे बड़ी पूंजी है स्काउट-गाइड की ऊर्जा, अनुशासन और सेवा भाव की सराहना की। भारत में स्काउट आंदोलन की नींव रखने वाले शाहजहांपुर के रामजी वाजपेयी के अमूल्य योगदान को याद किया।

दिखी राज्यों की सांस्कृतिक विविधता

मंत्री सुरेश खन्ना ने आकर्षक पुलिस बैंड की प्रस्तुतियों, विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झांकियों, संगीत और थीम आधारित प्रदर्शन का अवलोकन किया। रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों से सजे इस कार्यक्रम ने भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।

बिना कारण जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द नहीं किया जा सकता

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द करने के नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द करने का आदेश पारित करते समय अधिकारियों को कारणों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए। न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की एकलपीठ ने कहा कि यदि रद्दीकरण आदेश बिना स्पष्ट कारण बताए और करदाता को सुनवाई का अवसर दिए बिना पारित किया जाता है, तो ऐसा आदेश कानून की दृष्टि में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। याची एक रियल एस्टेट कंपनी थी, जिसके जीएसटी रजिस्ट्रेशन को रिटर्न जमा न करने के आधार पर जारी कारण बताओ नोटिस के बाद 16 मई 2023 को रद्द कर दिया गया। कंपनी ने इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट ने रिकॉर्ड की जांच में पाया कि जारी नोटिस में न तो संबंधित अधिकारी का नाम था और न ही कोई तथ्यात्मक विवरण साथ ही याची को न सुनवाई का अवसर दिया गया और न ही रद्द करने के ठोस कारण बताए गए।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, बदायूं

पत्रांक सं:- सी-2576/जि.का.अधि./बा.वि.परि./विज्ञप्ति/2025-26 दिनांक: 24.11.2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या- 1/1092245/2025/3313/58-1-2025 (1917687) दिनांक 17.09.2025 में वर्णित व्यवस्थानुसार जनपद बदायूं के शहरी/ग्रामीण परिक्षेत्रों में संचालित बाल विकास परियोजना में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के मानदेय पर आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.in पर ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का वार्डवार / परियोजनावार विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	परियोजना का नाम	ग्रामीण/शहरी	आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पदों का विवरण
1.	2.	3.	4.
1	सहसवान	ग्रामीण	3
2	आसफपुर	ग्रामीण	4
3	कादरचौक	ग्रामीण	1
4	वजीरगंज	ग्रामीण	10
5	दहगवां	ग्रामीण	3
6	अम्बियापुर	ग्रामीण	0
7	सालारपुर	ग्रामीण	7
8	जगत	ग्रामीण	3
9	शहर	ग्रामीण	0
10	बिसौली	ग्रामीण	3
11	दातागंज	ग्रामीण	3
12	इस्लामनगर	ग्रामीण	5
13	उझानी	ग्रामीण	2
14	म्याऊँ	ग्रामीण	12
15	समरेर	ग्रामीण	3
16	उसावां	ग्रामीण	6
		कुल योग	**65**

उपरोक्त पदों का ग्रामसभा/वार्डवार विवरण एवं आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति हेतु निध्रारित है। ई.डब्लू.एस., दिव्यांग, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आदि हेतु आरक्षण निर्धारित नहीं है। उक्त पूर्ण विवरण जनपद के कलेक्ट्रेट, विकास भवन, तहसील एवं विकास खण्ड इत्यादि कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है साथ ही विभागीय वेबसाइट पर https://upanganwadibharti.in अपलोड है।

विज्ञप्ति पदों की अर्हता एवं आवेदन पत्र भरने हेतु विशेष निर्देश:-

1. विज्ञापित पदों हेतु केवल महिला अभ्यर्थी ही पात्र होंगी।
2. रिक्त पदों (आंगनबाड़ी सहायिका) हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट एवं उसके समकक्ष होगी। अधिकतम शैक्षिक योग्यता परास्नातक के आधार पर मैरिट तैयार होगी।
3. विज्ञापित पदों हेतु केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। ऑफलाइन आवेदन किसी भी दशा में स्वीकार नहीं होंगे।
4. विज्ञापित पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 15.12.2025 मध्य रात्रि 12:00 बजे तक होगी।
5. आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदिका की नयूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष होगी। दिनांक 01.07.2025 को 18 वर्ष आयु होनी चाहिए। आयु के सम्बन्ध में हाईस्कूल अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी।
6. उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार की विधवा महिला / विधिक तलाकशुदा / परित्यक्त महिला को वरीयता दी जायेगी।
7. विधवा हेतु ग्राम पंचायत अधिकारी / सम्बन्धित नगर निकाय द्वारा निर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र एवं परिवार पंजिका की प्रमाणित नकल मान्य होगी। तलाकशुदा/परित्यक्ता के सम्बन्ध में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्गत विधिक आदेश मान्य होंगे।
8. गरीबी रेखा के नीचे की विधवा/तलाकशुदा/परित्यक्ता महिलाएं न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा से ऊपर की विधवा महिला/परित्यक्ता/तलाकशुदा महिलाएं
9. उपरोक्तानुसार अभ्यर्थी न मिलने पर उसी ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) की निवासी गरीबी रेखा के जीवन यापन करने वाले परिवार की महिलाएं।
10. निवास एवं जाति प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निर्गत निवास व जाति प्रमाण पत्र मान्य होंगे। जिनका ऑनलाइन सत्यापन सम्भव हो।
11. आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर उपलब्ध फॉर्मेट पर ऑनलाइन व सही सही सावधानी पूर्व भरे जायेंगे। आवेदिका द्वारा अभिलेखों की स्वप्रमाणित प्रति, जो स्वच्छ व पठनीय हो, अपलोड की जायेगी, जिनका उल्लेख उनके द्वारा ऑनलाइन फॉर्म में किया गया है।
12. यदि आवेदन में कोई त्रुटि होती है तो या कोई तथ्य आंकड़े / शैक्षिक अभिलेखों के प्राप्तांक / पूर्णांक गलत या कूटरचित पाये जायेंगे, तो अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा, स्वयं उत्तरदायी होंगी। त्रुटि सुधार हेतु ऑफलाइन आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
13. आय प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में समाज कल्याण अनुभाग-2 उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या- 22/2015/2123/26-2-2015 दिनांक 14.09.2015 (यथा संशोधित) द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रू- 46080.00 वार्षिक एवं शहरी क्षेत्र में रू. 56460.00 वार्षिक आय सीमा का अनुपालन किया जायेगा। तहसील से ऑनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से निगर्त आय प्रमाण पत्र का ऑनलाइन सत्यापन किया जा सके।
14. एक आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक परिवार की 02 महिलाओं की नियुक्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका पद पर नहीं की जायेगी।
15. रिक्त पदों का विस्तृत विवरण जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी/ खण्ड विकास अधिकारी / बाल विकास परियोजना के नोटिस बोर्ड पर एवं विभागीय वेबसाइट https://upanganwadibharti.inपर देखा जा सकता है।
16. अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्र संख्या- सी-2484 दिनांक 11.11.2025 को जारी विज्ञप्ति को उपर्युक्त सीमा तक संशोधित माना जाए।

नोट:- रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी
बदायूं

न्यूज ब्रीफ

विशेषज्ञों ने रखी भविष्य की रूपरेखा

अमृत विचार, लखनऊ : 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047'' के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार विशेषज्ञों की राय के आधार पर भविष्यगामी नीति निर्धारण का मार्ग प्रशस्त कर रही है। बुधवार को सरकार द्वारा आयोजित "शेपिंग उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल फ्यूचर : स्ट्रेटेजीज फॉर विकसित भारत-2047" वर्कशॉप व कॉन्फ्रेंस में उद्योग, निवेश, एमएसएमई, खादी, अवस्थापना तथा नीति नियोजन से जुड़े शीर्ष अधिकारियों ने राज्य की औद्योगिक प्रगति, संभावनाओं तथा भविष्य की जरूरतों पर विस्तृत विचार साझा किए। प्रदेश के राज्य परिवर्तन आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद के रूप में उभर रहा है।

स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम में नोडल विशेषज्ञ प्रशिक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के निर्देशन में प्रदेश के 75 जिलों के 150 नोडल एसआरजी, जिला समन्वयक प्रशिक्षण तथा डायट मेंटर्स को स्कूल रेडीनेस के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया। यह प्रशिक्षण उन्हें 24 से 26 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दिया गया है। गंगा सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में अंतिम दिन बुधवार को भी राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को गति देने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

इसके परिणामस्वरूप पूरे प्रदेश में स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम एकरूप, गुणवत्तापूर्ण और परिणाम-केंद्रित रूप में लागू किया जा सकेगा। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने बताया कि कार्यशाला का प्रमुख लक्ष्य था को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं से आने वाले बच्चों को कक्षा-1 में प्रवेश से पहले प्री-कॉन्सेप्ट, भाषा विकास, प्रारंभिक संख्यात्मक कौशल और पर्यावरणीय अवधारणाओं से प्रभावी रूप से परिचित कराया जा सके।

कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी भी सरकारी सेवक : कोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कोऑपरेटिव बैंक के अधिकारी भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 2 के तहत सरकारी सेवक हैं। लिहाजा उनके विरुद्ध भी उक्त अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज हो सकती है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति अब्दुल मोइन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने कोऑपरेटिव बैंक के डिप्टी जनरल मैनेजर सुभाष चंद्र की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याची की ओर से विजिलेंस विभाग द्वारा दर्ज किए गए एफआईआर को चुनौती दी गई थी। उक्त एफआईआर में सुभाष चंद्र पर आए से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि सुभाष चंद्र ने अपनी आय तीन करोड़ से अधिक की अतिरिक्त संपत्ति अर्जित की है जिसका स्रोत वह नहीं बता सके। एफआईआर का विरोध करते हुए अभियुक्त की ओर से दलील दी गई की उसके विरुद्ध विभागीय जांच हो चुकी है, जिसमें उसे क्लीन चिट मिली है। कोर्ट ने आगे कहा कि अभियुक्त के विरुद्ध हुए विभागीय जांच में आय से अधिक संपत्ति के बिंदु पर कोई जांच नहीं की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय सुविधाओं वाली अयोध्या में वर्ष के अंत तक 50 करोड़ पर्यटकों के पहुंचने का अनुमान

धर्म ध्वजारोहण से अयोध्या को मिली ग्लोबल पहचान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की विकासवादी नीतियों के चलते अयोध्या की चर्चा पूरी दुनिया में है। श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद यह पहचान और ग्लोबल हो गई है। पर्यटन, निवेश और आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के अन्य चर्चित धार्मिक स्थलों को भी पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आस्था और आध्यात्मिक स्थलों को आर्थिक केंद्र के रूप में भी विकसित करने का जो बीड़ा उठाया गया है, अयोध्या उसमें मील का पत्थर साबित हो रहा है। सनातनी आस्था के केंद्र अब वैश्विक ब्रांड के रूप में उभर रहे हैं। श्रीराम मंदिर बनने के बाद शहर में पर्यटकों की संख्या में 4 से 5 गुना तक वृद्धि हुई है। जनवरी-जून 2025 के बीच लगभग 23 करोड़ पर्यटक रामनगरी आ चुके हैं। अनुमान है कि इस वर्ष के अंत तक करीब 50 करोड़ पर्यटक आएंगे।

अमेरिका, यूरोप, रूस इत्यादि देशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक रामनगरी आ रहे हैं। शहर की साफ सुथरी सड़कें, प्रत्येक चौराहे पर संस्कृति और आध्यात्मिका को समेटे हुए कलाकृतियां, चमकते हुआ राम पथ और धर्म पथ, दिव्य और भव्य कुंड, प्राचीन मंदिर, विश्वस्तरीय हॉस्पिटैलिटी सुविधा, अंतरराष्ट्रीय स्तर के होटल, आर्थिक विकास की कहानी खुद बयां कर रहे हैं। अयोध्या के विकास की देन है कि जो होटल पहले सुनसान रहते थे, वो अब 90 प्रतिशत फुल रहते हैं। छोटे से छोटा होटल भी प्रतिदिन 40 से 50 हजार तक की कमाई कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को उसका पुराना वैभव वापस दिलाया है।

जीएसडीपी में भी बड़ा योगदान

अयोध्या के विकास का सफर 2020 से प्रारंभ होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में अयोध्या के विकास से जुड़े सरकारी विभागों ने बड़ी गंभीरता से योजनाओं के क्रियान्वयन को अंजाम दिया। शहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के लिए व्यापक योजना तैयार की गई। शहर में सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, यातायात व्यवस्था, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, हवाई अड्डा जैसी मूलभूत सुविधाओं को विश्वस्तरीय बनाया गया। अयोध्या में पर्यटकों की आमद बढ़ने से यहां की आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ीं। आज अयोध्या यूपी के जीएसडीपी में लगभग 1.5 फीसद योगदान कर रही है। अनुमान है कि आने वाले कुछ वर्षों में अयोध्या का सालाना कारोबार लगभग 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाला एक भी कृत्य लोक-व्यवस्था का उल्लंघन

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एनएसए के तहत आरोपी की हिरासत को सही ठहराया

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, (एनएसए) 1980 के तहत आरोपी की हिरासत को सही ठहराते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति का एक भी आपराधिक कृत्य सांप्रदायिक तनाव, दंगा और जनजीवन की गति बाधित करता है, तो वह सामान्य कानून-व्यवस्था भंग का मामला न होकर प्रत्यक्ष तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने मऊ निवासी शोएब की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने माना कि जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित निरोध आदेश विधिसम्मत और आवश्यक था। गौरतलब है कि मामला 15 नवंबर 2024 को घोसी क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर से शुरू हुआ था, जिसके बाद विवाद बढ़ा और शोएब के साथियों में से एक ने कथित तौर पर सुक्खू पर चाकू से कई वार किए। प्रकरण केवल आपराधिक हमले तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पीड़ित को अस्पताल ले जाते ही दोनों समुदायों के सैकड़ों लोगों की भीड़ अस्पताल में भिड़ गई, पथराव हुआ।

- **2024 को घोसी में मामूली विवाद के बाद हिंसा फैल गई थी**

मरीज व परिजन डरकर भागने लगे। अस्पताल की खिड़कियां व उपकरण तोड़फोड़ में क्षतिग्रस्त हुए और चिकित्सा सेवाएं ठप हो गईं। हिंसा शहर तक फैल गई। 200 से अधिक लोगों ने घोसी-दोहरीघाट मार्ग अवरुद्ध कर दिया। पुलिस वाहनों व दुकानों को नुकसान पहुंचाया और धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाया। सीओ और एसएचओ, मऊ सहित कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए। तनाव बढ़ते ही हिंदू समुदाय के लोग भी प्रतिशोध में भड़के और अलग स्थान पर दंगा हुआ। कोर्ट ने आरोपी का यह तर्क अस्वीकार करते हुए कहा कि प्रदर्शित परिस्थितियों से साफ है कि आरोपी के आपराधिक कृत्य के बाद ही पूरे शहर में दंगे और सांप्रदायिक तनाव की श्रृंखला शुरू हुई, जिसके कारण स्कूल बंद करने पड़े। अभिभावक बच्चों को भेजने से डरने लगे और व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के राम मनोहर लोहिया बनाम बिहार राज्य फैसले का हवाला देते कहा कि जब अपराध का प्रभाव व्यापक जनसमुदाय तक पहुंचे, तभी वह सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।

24 घंटे में 1.14 करोड़ गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 15.44 करोड़ से अधिक मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रह एवं डिजिटाइजेशन का कार्य 1.62 लाख से अधिक बूथों पर बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। प्रदेश में विगत 24 घंटे में 1.14 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 6.40 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हो चुका है। औरैया, चित्रकूट, पीलीभीत, सहारनपुर तथा मुरादाबाद में 50 प्रतिशत से अधिक गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। बीते 24 घंटे में शामली, गोंडा, बाराबंकी, अमरोहा, औरैया एवं मिर्जापुर जनपद ने प्रति बीएलओ औसत 80 से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन तेजी के साथ पूरा किया।

उप्र भाजपा ने 14 जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में भाजपा ने कई जिलों में नए जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। प्रदेश चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने बुधवार को 14 निर्वाचित जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किए। चौदह जिला अध्यक्षों में छह नेता पिछड़े वर्ग के हैं।

इसमें पश्चिम क्षेत्र के मेरठ से हरवीर पाल को जिलाध्यक्ष बनाया है। पश्चिम क्षेत्र के हापुड़ जिले से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे को हापुड़ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। बृज क्षेत्र से 5, कानपुर से 4 और अवध क्षेत्र से 1 एवं काशी क्षेत्र से 2 जिलाध्यक्षों की घोषणा की गई।

क्षेत्रवार देखें तो पश्चिम क्षेत्र में मेरठ से पिछड़ा वर्ग के हरवीर सिंह पाल, हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से कविता माधरे, बृज क्षेत्र के फिरोजाबाद से सामान्य वर्ग के उदय प्रताप सिंह, हाथरस से प्रेमसिंह कुशवाहा पिछड़ा, अलीगढ़ महानगर से सामान्य वर्ग से राजीव शर्मा और अलीगढ़ जिला से सामान्य वर्ग के ही कृष्णपाल सिंह लाल एवं एटा से सामान्य वर्ग से प्रमोद गुप्ता को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

- **चौदह जिला अध्यक्षों में छह नेता पिछड़े वर्ग के**

कानपुर क्षेत्र के जालौन से पार्टी ने सामान्य वर्ग से आने वाली उर्विजा दीक्षित पर और झांसी महानगर से सुधीर सिंह एवं हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद एवं फतेहपुर से सामान्य वर्ग से अन्नू श्रीवास्तव के नाम की घोषणा की है। भाजपा ने जिन 14 जिलाध्यक्षों की लिस्ट जारी की है। इसमें दो महिलाएं भी हैं। हापुड़ से अनुसूचित वर्ग से आने वाली कविता माधरे का नाम शामिल है। जालौन से उर्विजा दीक्षित और हमीरपुर से पिछड़ा वर्ग से आने वाली शकुंतला निषाद को भी मौका दिया है।

उत्तराखंड में वन्यजीवों के हमले में जनहानि पर अब 10 लाख का मुआवजा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में जनहित से जुड़े आठ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें एक अहम निर्णय के तहत मानव-वन्य जीव संघर्ष में जनहानि पर अब दस लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा, अभी तक ऐसे मामलों में छह लाख रुपये की राशि दी जाती थी।

दूसरे निर्णय में राज्य में स्थित दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में महिला कर्मकारों को रात्रि पाली (रात्रि 9:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक) कार्य करने की सशर्त छूट प्रदान की गई है, जिसमें महिला कर्मकारों की सुरक्षा का पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

इस प्रावधान से महिला कर्मकारों को कार्य करने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा महिला कर्मकारों का आर्थिक सशक्तीकरण होगा। रात्रि पाली में महिला कर्मकारों को कार्य में तभी लिया जा सकता है जब उनके द्वारा इस संबंध में पूर्व में ही लिखित सहमति प्राप्त कर ली जाएगी। इससे महिला कर्मकारों को पुरुष कर्मकारों के समान कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे तथा लैंगिक समानता की व्यवस्था भी प्रभावी होगी। कैबिनेट ने अभियोजन संवर्ग के ढांचे के पुनर्गठन का फैसला लिया है।

- **महिलाओं को रात की पाली में काम करने की सशर्त अनुमति**

इसमें 142 पद के सापेक्ष सहायक अभियोजन अधिकारी के 91 पद सृजित हैं। न्यायालयों में वादों के संबंध में प्रभावी पैरवी के लिए अभियोजन संवर्ग ढांचे को पुनर्गठित करते हुए प्रथम चरण में देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर एवं नैनीताल में सहायक अभियोजन अधिकारी के 46 अतिरिक्त पद सृजित करने के प्रस्ताव पर अनुमोदन दिया गया।

मुठभेड़ में गोकशी के दो आरोपी गिरफ्तार

रामपुर, अमृत विचार : मंगलवार देर रात शाहबाद थाना पुलिस और गोकशी के आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से दो गोकश घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। तीन आरोपी मौका पाकर फरार हो गए।

रोटावेटर में फंसकर युवक की मौत, ट्रैक्टर चालक फरार

बेहजम, अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव बौनिया में खेत की जुताई के दौरान खेत स्वामी की रोटावेटर की चपेट में आ गया, जिससे उसमें फंस कर उसकी कटकर मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक मौके से भाग निकला। गांव बौनिया निवासी प्रांशु वर्मा (26) गेहूं की बुवाई के लिए खेत तैयार कराने ट्रैक्टर लेकर खेत पर गए थे। बताते हैं कि जुताई के दौरान प्रांशु का अचानक पैर फिसल गया और वह चलती मशीन में जा गिरे। रोटावेटर के तेज ब्लेड की चपेट में आने से उसकी कटकर मौके पर ही मौत हो गई।

1978 के दंगे में जिस कुएं में फेंकी थी व्यापारी की लाश उसकी खोदाई शुरू

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल में सन 1978 में हुए साम्प्रदायिक दंगे से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कार्रवाई बुधवार को शुरू की गई। प्रशासन ने उस कुएं की खोदाई का काम शुरू कराया जिसमें दंगाइयों ने हत्या के बाद किराना व्यापारी रामसरन रस्तोगी का शव फेंका था।

संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा की घटना के बाद प्रशासन ने पाट दिए गये कुओं को खोजकर उनकी खोदाई कराने का काम शुरू किया तो संभल से पलायन कर दिल्ली में बसे रामसरन रस्तोगी के पौत्र कपिल रस्तोगी ने 10 फरवरी 2025 को संभल आकर एसडीएम और डीएम को प्रार्थना पत्र देकर 1978 के दंगे में दादा की हत्या कर शव तराजू में बांधकर कुएं में डाल दिये जाने की घटना की जानकारी देकर कुएं को खुदवाने की मांग रखी थी। 24 नवंबर 2025 को डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण बिश्नोई शहर के पैदल मार्च कर रहे थे तभी बाजार गंज में सुशील रस्तोगी ने अधिकारियों को बताया कि 1978 दंगे में उनके ताऊ रामसरन रस्तोगी की हत्या के बाद शव उनकी दुकान के सामने कुएं में डाल दिया गया था।

- **संभल में डीएम के निर्देश पर शुरू हुआ कुएं की खोदाई का काम**

डीएम-एसपी ने सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और पालिका ईओ डॉ. मणि भूषण तिवारी को कुएं की खुदाई कराने के निर्देश दिए थे।

बुधवार को एकता पुलिस चौकी महमूद खां सराय स्थित मुख्य बाजार में कुएं की खुदाई का काम शुरू कराया गया। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार व पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी की मौजूदगी में मजदूरों ने पाट कर बंद कर दिये गये कुएं की खोदाई शुरू कराई। टीले जैसी जगह पर खोदाई का काम शुरू हुआ तो तमाम व्यापारी खोदाई की वजह जानने के लिए वहां पहुंचने शुरू हो गये।

हरिद्वार में अवैध मजार पर चला बुलडोजर

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : पिरान कलियर क्षेत्र में कस्बा कलियर में चारमिनार होटल के पास सरकारी सीलिंग भूमि पर बनी अवैध मजार को बुधवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।

हरिद्वार जिला प्रशासन के अनुसार, यह अवैध निर्माण कलियर में सरकारी अस्पताल के लिए आवंटित जमीन पर किया गया था। प्रशासन ने दो सप्ताह पूर्व नोटिस जारी किया था, मगर कब्जाधारकों ने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि यह अवैध निर्माण कई बीघा क्षेत्र में कब्जा में किया था। प्राथमिक जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद कार्रवाई को अंतिम रूप दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच प्रशासनिक टीम ने अवैध मकबरा को गिराकर कब्जाधरियों से जमीन को मुक्त कराया।

अब तक 576 अवैध संरचनाएं ध्वस्त

धामी सरकार पूरे प्रदेश में अवैध मजारों, कब्रों और विवादित अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान चला रही है। अब तक 576 अवैध संरचनाएं ध्वस्त की जा चुकी हैं। सीएम धामी कई बार कह चुके हैं कि राज्य के धार्मिक-सांस्कृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ करने वालों पर सख्ती जारी रहेगी। सरकार का लैंड जिहाद और श्राइन जिहाद के रूप में चिह्नित अतिक्रमणों पर भी कड़ा रुख है, उसने अभियान जारी रखने की बात कही है।

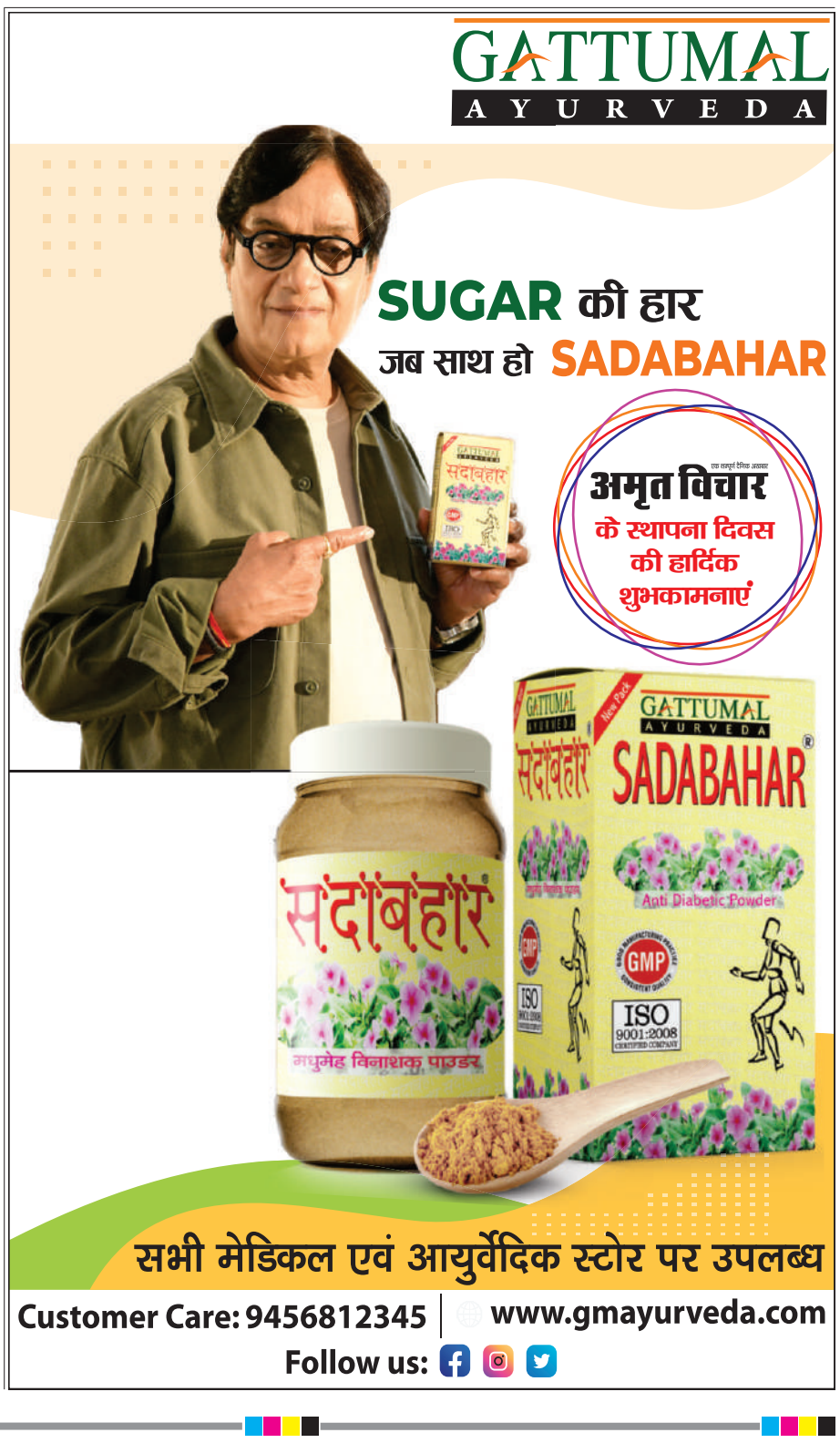

वन्य जीव

माला- चूका नदी के आसपास बना रहे आशियाना, मगरमच्छ से भिड़ने को हमेशा रहता है तैयार

पीटीआर में दिखने लगा दुर्लभ ऊदबिलाव का कुनबा

सुनील यादव, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल की रहस्यभरी दुनिया में लगभग हर एक वन्यजीव अपनी विशेष खासियत के दम पर अपनी अलग पहचान रखता है। इसमें वे दुर्लभ वन्यजीव भी शुमार हैं, जो विलुप्त होने के कगार पर हैं।

विशेषताओं की बात करें तो कुछ ऐसे वन्यजीव भी हैं, जो अपने से बड़े और खतरनाक वन्यजीवों को भी चुनौती दे डालते हैं। इन्हीं में एक जल मानुष कहे जाने वाला दुर्लभ ऊदबिलाव हैं, जो जरूरत पड़ने से अपने से कई गुना बड़े मगरमच्छ से भिड़ने का दमखम रखता है। पूर्व में यह प्रजाति लुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थी, मगर अनुकूल वातावरण मिलने से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में इन दुर्लभ ऊद-विलाब के समूह नदी-झीलों में अठखेलियां करते देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों की माने तो इन दुर्लभ जलीय जीवों का बड़े समूह में दिखना न केवल वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद है, बल्कि यहां के पर्यावरण और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का सूचक भी है। महज एक दशक ही बीता हैं, मगर पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैवविविधता के दम पर देश के श्रेष्ठ टाइगर रिजर्वों में शुमार होने की ओर अग्रसर है। यहां के जंगलों में वन्यजीवों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई। जानकारों की मानें तो यहां अधिकांश परिवर्तन बाघ संरक्षण परियोजना लागू होने के बाद ही हुआ है।

झील में अठखेलियां करते दुर्लभ ऊदबिलाव। • अमृत विचार

वन एवं वन्यजीवों की बेहतर सुरक्षा होने से अवैध रूप से होने वाली इंसानी घुसपैठ भी कम हुई। इन सबसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व की जैवविविधता भी संरक्षित हुई। यही वजह है कि यहां बेहतर पर्यावास होने से बाघ समेत अन्य वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ।

बदलते वक्त के साथ अब यहां विलुप्त हो चुके या संकटग्रस्त पशु-पक्षी समेत अन्य जीव दोबारा अपने अस्तित्व की ओर लौटने लगे हैं। इसमें दुर्लभ हार्नबिल से लेकर देश से सबसे कम दिखने वाला रेड कोरल कुकरी स्नैक, दुनिया की सबसे छोटी बिल्ली रस्टी स्पॉटेड कैट, दुर्लभ प्रजाति की तितली कॉमन पायरोट समेत कई ऐसे पशु-पक्षी देखे जा रहे हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अब संकटग्रस्त दुर्लभ स्तनधारी ऊद बिलाव के समूहों की की मौजूदगी देखी जा रही है।

पीटीआर में एकमात्र स्मूथ कोटेड ऊदबिलाव

ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका को छोड़कर अन्य सभी महाद्वीपों में दिखने वाले ऊदबिलाव की 13 प्रजातियों में से तीन प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं। खास बात यह है कि इसमें ऊदबिलाव की एक प्रजाति स्मूथ कोटेड ऑटर पीलीभीत टाइगर रिजर्व रिजर्व में भी पाई जाती हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बात करें तो ऊदबिलाव की यह प्रजाति नदियों, झीलों और बड़े तालाबों के किनारे कई मुंहवाले बिल बनाकर रहती है। ढाई से तीन फुट लंबा स्मूथ कोटेड ऑटर अपना अधिकांश समय पानी में ही बिताते हैं। इनका मुख्य भोजन मछली है। सर्वाधिक ऊदबिलाव पीलीभीत टाइगर रिजर्व से गुजरने वाली माला नदी, चूका नदी समेत हरीपुर रेंज की भगण्डा झील में देखे जा सकते हैं।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध 24/7

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास,
निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

आंबेडकर को किया नमन, निकाली रैली, शपथ ली

शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों में किये गये कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र भी दिये

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : तहसीलों में संविधान दिवस के अवसर पर उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने मिलकर रैली निकाली, जिसमें संविधान के प्रति जागरूकता और कर्तव्यों के पालन का संदेश दिया गया। रैली के बाद सभी ने संविधान की रक्षा, सम्मान और पालन करने की शपथ ली।

मीरगंज में संविधान दिवस पर रैली निकाली। ● अमृत विचार

फरीदपुर डायट में संविधान की शपथ लेतीं प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय। ● अमृत विचार

नवाबगंज में डा. अंबेडकर पार्क विकास समिति के तत्वावधान में कार्यक्रम किया गया। इस दौरान बुद्ध वंदना हुई। इस दौरान समिति अध्यक्ष महावीर प्रसाद, कुंवर सेन ने संविधान का अध्ययन और उसमें दिए अधिकारों व कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। । कार्यक्रम में स्वरूप गौतम, अयोध्या प्रसाद, गंगवार रूप किशोर, देवेंद्र पाल, नेतराम, वेद प्रकाश, रामकरण, लाल जागन, भूदेव सिंह, कश्मीरा देवी, कृष्णा देवी, हरीश सागर, बृजलाल, मुख्तियार रहमान, आरिफ हुसैन,

विधि छात्रों ने संविधान के प्रति व्यक्त की निष्ठा

रिठौरा में राजश्री लॉ कॉलेज में संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करके समारोह मनाया गया। इनमें विजयी विद्यार्थियों को मेडल व प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान संस्थान के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वाइस चेयरपर्सन डा. मोनिका अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, रोहन बंसल ने बाबा साहब डा.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किये। संविधान दिवस पर छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई।

मैस्कॉट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन महाविद्यालय में विद्यार्थियों में जागरूकता, राष्ट्रभावना और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान विकसित करने के लिए सुविचार लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जय करन माथुर, डा. सोमा गौड़, मनोज कुमा, संध्या पटेल आदि रहीं।

संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला:

क्योलड़िया में गांव बरौर, मे संविधान के महत्व को रेखांकित करते हुए संविधान दिवस का कार्यक्रम उत्साह के साथ मनाया गया। । कार्यक्रम की शुरुआत में, मुख्य अतिथि नितिश उपाध्याय एडवोकेट ने की। इस मौके पर अहिवरन कुमार बौद्ध, गंगाराम पटेल, कुंदन लाल शर्मा, ब्रजलाल गंगवार, खूबचंद कश्यप, अल्ताफ मंसूरी, मिथुन सम्राट, पोशाकी लाल शर्मा आदि मौजूद रहै।

वैज्ञानिक जागरूकता प्रतियोगिता हुई

केसर इंटर कॉलेज **बहेड़ी** में राष्ट्रीय संविधान दिवस पर बुधवार को वैज्ञानिक जागरूकता प्रतियोगिता हुई। प्रधानाचार्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने संविधान दिवस पर प्रकाश डाला। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य चंद्रभानु सिह, इंद्रजीत सिंह ने प्रश्नोत्तरी में चयनित विद्यार्थियों में अभय गंगवार, जिगर, भुवनेश, संध्या, सूर्य प्रकाश, भविष्य, आयुषी, जगजीत, अनु गंगवार, मुकुल गंगवार, कल्पना, अलीना बी को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया।

युवाओं ने निकाली रैली, जगह-जगह स्वागत

मीरगंज, अमृत विचार : डा.भीमराव अंबेडकर भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने विधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली। संगठन के अध्यक्ष डा. सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में कस्बे केयुवा भी इसमें शामिल हुए। मीरगंज के मढ़ी सत्याना से निकाली रैली में इंचार्ज पंकज कुमार, अंकुर,आदि उपस्थित रहे। रैली मीरगंज के सभी प्रमुख चौराहों से होकर गुजरी। रैली में अंकित सागर, पिंटू सागर, जोगेंद्र सहित कई दर्जन युवा मौजूद रहे। उपजिलाधिकारी आलोक कुमार ने संविधान दिवस पर तहसीलदार आशीष कुमार सिंह के साथ तहसील सभागार में कार्यरत सभी कर्मचारियों व लेखपालों को संविधान की शपथ दिलायी।

राजेन्द्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में कॉलेज के प्राचार्य प्रो0 एस. के. सिंह के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों तथा प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस. कार्यक्रम अधिकारी बी. के. प्रधान तथा राजनीति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. शिव प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रत्नाकर दुबे, डॉ. फ़ैज़ तथा डॉ. ममता रंजन आदि रहे।

डायट में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

फरीदपुर, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में बुधवार को संवैधानिक एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय और वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम में दिनेश कुमार सिंह, आकांक्षा, विनोद कुमार, नीति माहौर, श्रीकांत सहित माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक व प्रशिक्षु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। संविधान दिवस पर शुरू हुए इस प्रशिक्षण में प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कराया गया। मुख्य वक्ता डॉ. नईमुद्दीन रहे

वहीं **दुनका** में विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों ने रैली निकाली। इस दौरान विधायक ने लोगों से संवाद किया और लोगों को संविधान के चलने की प्रतिज्ञा दिलाई। रैली में मनीष कुमार शर्मा, तौसीफ अहमद . हरेंद्र कुमार . हरि प्रकाश बाबूराम सागर प्रेमपाल सागर आदि रहे। **भोजीपुरा** में किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव के नेतृत्व में संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण मौर्य, धीरज साहू, सौरभ यादव आदि रहे।

चमन नगरिया में दो गुटों में खूनी संघर्ष

संवाददाता, नवाबगंज

● लाठियां, फरसे और धारदार हथियार चले, आंख फोड़ने की कोशिश, गांव में दहशत

अमृत विचार : चमन नगरिया गांव सुबह एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच जमीन और पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। देखते ही देखते लाठियां चलने लगीं, धारदार हथियार निकल आए और लोग इधर-उधर जान बचाकर भागने लगे। पूरे गांव में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

पहले पक्ष के अनुसार फुरकान पुत्र इस्माइल एसआईआर फॉर्म भरने जा रहा था, तभी स्कूल गेट के पास पहले से घात लगाए बैठे फैमुद्दीन, परवेज, जाहिद समेत कई लोग उसे रोककर गाली देने लगे। विरोध करने पर उस पर एक साथ हमला कर दिया गया और लाठियों व ईंटों से बेरहमी से पीटा गया। ग्रामीणों के जुटते ही हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

दूसरी ओर, फैमुद्दीन ने थाने में दी तहरीर में बताया कि वह अपने परिवार का फॉर्म जमा करा कर लौट रहा था, तभी फुरकान व उसके साथियों ने पहले गाली गलौज शुरू की और फिर उस पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। वार सिर और आंख के पास लगा, जिससे आंख की रोशनी जाने का खतरा पैदा हो गया। इसके बाद उसे जमीन पर पटक-पटक कर लाठी-डंडों से पीटा गया और बेहोशी की हालत में छोड़ दिया गया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भिजवाया गया।

कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है

मजार की संपत्ति पर कब्जे का आरोप

सेंथल, अमृत विचार: कस्बे में हजरत चिराग अली शाह मियां मजार की वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जे का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा है। इन दबंगों ने वक्फ संपत्ति पर टीन के खोखे और अन्य अवैध निर्माण करा दिए हैं। कस्बा निवासी नसीम खां, असलम अली, राशिद खान, नासिर खां और अलीम मियां ने अपने पत्र में बताया है कि सुन्नी वक्फ बोर्ड ने हजरत चिराग अली मियां की वक्फ संपत्ति से संबंधित पिछली कमेटी को भंग कर दिया है। इस समय कोई कमेटी अस्तित्व में नहीं है।

दबंगों का कब्जा ध्वस्त जेसीबी से खुलवाया रास्ता

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद में शामिल नजदीकी गांव बहोरनगला में सार्वजनिक रास्ते पर दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को बुधवार को नगर पालिका टीम ने बुलडोज़र से ध्वस्त कर दिया।

कस्बे की बस्ती बहोरनगला स्थित गाटा संख्या 681 जो सरकारी रास्ता है, उस पर राजीव मिश्रा व मनोज मिश्रा ने अवैध कब्जा कर बुनियाद तक भरवा दी थी। इससे लोगों का आना-जाना पूरी तरह प्रभावित हो गया था और ग्रामीणों में भारी आक्रोश था।

बस्ती निवासी दीपक मिश्रा ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से

बुलडोजर से अवैध निर्माण ध्वस्त किया।

लेते हुए बुधवार को नगर पालिका परिषद की टीम राजस्व कर्मियों के साथ मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया।

इस दौरान लेखपाल विजय कुमार व सफाई प्रभारी अमर सिंह सहित नगर पालिका के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

दुकान को तोड़ने के मामले में जांच के आदेश

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : पांच दिन पहले अतिक्रमण के नाम पर व्यापारी की दुकान के आगे बंद नाले को जेसीबी से तोड़ने के मामले में व्यापारी नेता आशीष अग्रवाल की शिकायत पर प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग और जिलाधिकारी, एसएसपी को दोषियों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिए है।

गत 21 नवंबर को मुख्य बाजार में मौजूद व्यापारी दौलत राम गुप्ता की दुकान के आगे नाले पर अतिक्रमण होने की सूचना पर नगर पंचायत कार्यालय की टीम ने जेसीबी के द्वारा बंद नाले को खोलने के लिए तोड़फोड़ कर दी थी। जिसको लेकर व्यापारी नेता आशीष अग्रवाल की अगुवाई में करीब एक दर्जन व्यापारी लामबंद हो गए थे। अभद्रता को लेकर ईओ पुष्पेंद्र राठौर और व्यापारी दौलत राम गुप्ता, आशीष अग्रवाल ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी थी। जिस पर पुलिस जांच कर रही है।

आशीष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर भी कार्यवाही की मांग की थी। जिलाधिकारी ने एक जांच कमेटी गठित की है।

रात में घर से गायब हुई युवती

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : इलाके से एक युवती रात के समय घर से अचानक गायब हो गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर युवती के पिता ने एक सप्ताह के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। 20 नवंबर के रात करीब साढ़े 12 बजे कस्बा के एक मोहल्ले की बालिग लड़की घर से अचानक गायब हो गई। सुबह युवती को बिस्तर पर नहीं देखकर भौचक रह गई। घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने पर पता चला कि लड़की अज्ञात युवक के साथ जा रही है। अनहोनी की आशंका से पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महिला ने लिया लोन ठगों ने उड़ाई रकम

फरीदपुर, अमृत विचार: मोहल्ला फर्खपुर निवासी वंदना पत्नी आरव सिंह ने भैंस पालन हेतु सोनाटा फाइनेंस समूह से लोन लिया था। 21 नवंबर को पंजाब नेशनल बैंक, स्टेशन रोड फरीदपुर शाखा में उनके खाते में लोन की किश्त जमा हुई। लेकिन 23 नवंबर को उनके खाते से बिना जानकारी 10 हजार रुपए निकाल लिए गए। वंदना ने 24 नवंबर को शाखा प्रबंधक को मामले की सूचना दी, जिस पर खाते को फ्रीज करने की बात कही गई। बावजूद इसके उसी दिन उनके खाते से दोबारा 5 हजार रुपए निकाल लिए गए। शाखा प्रबंधक ने बताया कि दोनों बार पैसे हरदोई से निकाले गए, महिला का आरोप है कि बैंक ने समय रहते खाता फ्रीज किया होता तो दूसरी बार की निकासी रोकी जा सकती थी। घटना से आहत वंदना ने फरीदपुर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने को कहा है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन् 2007 अनुक्रमांक 3099199 का प्रमाण पत्र व अंकपत्र एवं इन्टरमीडिएट मुख्य सन् 2010 अनुक्रमांक 0387288 का प्रमाण पत्र व अंक प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **आकाश सक्सेना पुत्र श्री अरूण कुमार सक्सेना नि. 358, भूड़, बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट जिसका सीरियल नं. 1598150 व रोल नम्बर 3222174 है। एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा सन् 2011 में उत्तीर्ण की थी जिसका सीरियल नं. 0776452 व रोल नम्बर-0614496 है। उक्त दोनों मार्कशीट वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **हेमा राना पत्नी श्री विनीत कुमार निवासी ग्राम व पो. बसहा माफी जिला लखीमपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पूर्व सैनिक हूं मेरा आर्मी नं. 15360648L नायक जाकिर हुसैन है। मेरी पुत्री आबदा खातून (AABDA KHATOON) का नाम मेरी डिस्चार्ज बुक में त्रुटिवश अबिदा खातून (ABIDHA KHATUN) दर्ज हो गया था। मेरे आर्मी रिकॉर्ड एंव डिस्चार्ज बुक में मेरी पुत्री का सही नाम आबदा खातून (AABDA KHATOON) संशोधित किया जाये। **जाकिर हुसैन पुत्र श्री रमजान अली निवासी मो. कुमारनगर सुआगाड़ा रोड, लखीमपुर जनपद-लखीमपुर खीरी**

सूचना

मैंने अपने पुत्र अकरम के गलत संगत में पड़ जाने के कारण उससे हर तरह से सम्बन्ध विच्छेद करते हुए उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **लईक पुत्र खलील ग्राम रिछोला किफायतुल्ला नवाबगंज बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट में मेरी जन्मतिथि त्रुटिवश 30.06.2008 दर्ज हो गयी हैं जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड नं. 479392987650 एवं अन्य अभिलेखों में मेरा जन्मतिथि 27.11.2004 है। जो कि सही है। **मो. आमिर पुत्र जमशेद अली निवासी:- ग्रा. बनेई तह. जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरा हाई स्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक 1108074 व इंटरमीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0798288 एवं स्नातक वर्ष 2022 अनुक्रमांक 0403045 के अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गए हैं। **पुरुषोत्तम शर्मा पुत्र राम मूर्ति शर्मा बरखेड़ा कला पीलीभीत**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

परम श्रद्धेय
स्व. श्री दुर्गा प्रसाद जी

24वीं पुण्यतिथि

परम श्रद्धेय **स्व. श्री दुर्गा प्रसाद जी (पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत, बरेली)** की चौबीसवीं पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। आपकी मधुर स्मृतियां एवं आपके द्वारा बताए मार्ग सदैव, हमारे जीवन में प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। आज आपकी पुण्यतिथि पर हम सब आपको श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शत्-शत् नमन करते हैं। **श्रद्धावनतः** विनोद कुमार-पुष्पा, प्रमोद कुमार-रजनी, सुबोध कुमार-विभा (पुत्रगण-पुत्रवधू), शुभम पटेल-रोज पटेल (पौत्र-पौत्रवधु) जूही, रूद्राक्ष, अंशुल, आकांक्षा, आतिक्श (पौत्र-पौत्री) एवं समस्त परिवार, विला नं. 117-118 मेगा मेन्शन, निकट राधा-माधव, स्कूल बीसलपुर रोड, बरेली, 4 अमिल्टस लक्जूरिया डोहरा, बरेली। 9359113901, 9719754131, 9412445331

प्लाई फैक्ट्री के गोदाम में लगी आग तीन घंटे तक उठतीं रहीं लपटें

बिथरीचैनपुर के उड़लाजागीर गांव में हादसा, आग पर काबू पाने के लिए गोदाम की दीवार तोड़ी

संवाददाता, बिथरी चैनपुर

अमृत विचार: प्लाईबोर्ड फैक्ट्री के गोदाम मे भीषण आग लग गयी। तीन घण्टे तक आग की लपटें उठतीं रहीं। सूचना पर पहुंची फायर पुलिस और दमकल की गाड़िया तीन घंटे बाद आग पर काबू पा सकी। तब तक काफी सामान जलकर राख हो गया। हालांकि,अभी कितना नुकसान हुआ है यह स्पष्ट नही हो सका है।

बिथरी क्षेत्र के उड़ला जागीर गाँव मे प्लाई फैक्ट्री सास्ती इंटरप्राइजेज का करीब 8 साल पुराना गोदाम है। फैक्ट्री के मालिक सतीश अग्रवाल ने बताया की पांच बजे गोदाम बंद कर वहां के कर्मचारी चले गए थे । सात बजे सूचना मिली की गोदाम मे आग लग गयी। जब तक यहाँ पहुचे आग काफी फैल गयी थी। फायर बिग्रेड की कई गाड़िया आग बुझाने में लगी रही। जेसीबी से गोदाम की दीवार को तोड़कर वहां से पानी डालने पर आग पर तीन घंटे बाद काबू पाया जा सका। तब तक काफी माल जलकर राख हो गया था।

गोदाम की दीवार को जेसीबी से तोड़कर आग बुझाने का रास्ता बनाया गया। फैक्ट्री में आग से उठती लपटें। ● अमृत विचार

आबादी के बीच गोदाम में आग लगने पर खाली कराए गए घर

फैक्ट्री का गोदाम करीब 8 साल पहले उड़ला मे बना था। जहाँ अब चारो ओर आबादी हो गयी। आग लगने के बाद पुलिस ने आसपास के घर खाली करवा दिए। जिससे छेत्र मे दहशत फेल गयी। आसपास के लोग वहां इकट्ठे हो गए। गोदाम मे आग लगने का कोई कारण भी कुछ पता नहीं चला। रोज की तरह कर्मचारी गोदाम बंद कर चले गए थे। आग लगने की जानकारी प्रबंधन भी नहीं बता पा रहा। ग्रामीणों में बीमे की रकम हासिल करने को आग लगाने की चर्चा रही।

फैक्ट्री के अंदर जलती प्लाई को बुझाते दमकल कर्मी। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

इलेक्ट्रिक रॉड के करंट से महिला की मौत

फरीदपुर, अमृत विचार : नहाने को इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करने के दौरान करंट लगने से घायल महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम के मृतक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया ।नगर के मोहल्ला परा निवासी पूजा (28) बुधवार को सुबह नहाने के लिए बिजली के रॉड से पानी गर्म कर रही थी अचानक राड में करंट आ जाने से पूजा गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर अवस्था में महिला को निजी अस्पताल ले गए जहां उपचार के दौरान महिला ने जब तोड़ दिया।

प्रधान और बीडीसी भी पुनरीक्षण कार्य में लगे

शेरगढ़, अमृत विचार : बुधवार को पूरे दिन गणना प्रपत्रों को भरने और ऑनलाइन करने को लेकर गांवों और स्कूलों में गहमागहमी रही। ग्राम प्रधान,राशन विक्रेता,पंचायत सहायकों के साथ ही बीएलओ कार्य से बचे शिक्षक,शिक्षामित्र और अनुदेशक भी एसआईआर कार्य को संपन्न कराने के लिए मैदान में कूद गए हैं। क्षेत्र के बैरमनगर,घटगांव पहाड़पुर,डेलपुर,केसरपुर सिमरावा,सराय,पिपरा आदि समेत क्षेत्र के गांवों में बीएलओ के साथ ही अन्य कर्मचारी कार्य को अंजाम देने में जुटे रहे।

किशोरी को जेवर सहित लेकर युवक फरार

भुता, अमृत विचार : कस्बा की एक नाबालिग किशोरी को लेकर युवक फरार हो गया। किशोरी अपने साथ जेवर भी ले गई है। नाबालिग के पिता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है।

पीड़ित पिता ने तहरीर में बताया आरोपी सर्वेश कुमार पुत्र झब्बू लाल निवासी ग्राम मधुपुरी थाना बरखेड़ा पीलीभीत नाबालिग 17 वर्षीय पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया है। काफी तलाश करने पर भी अभी तक मेरी पुत्री का कोई पता नहीं चला है। घर से कीमती सामान भी गायब है।

भाइयों के झगड़े में बहन पर जानलेवा हमला

क्योलडिया अमृत विचार : घरेलू विवाद में भाईयों के बीच हुए झगड़े में बीच में आई बहन के सिर पर एक भाई ने धारदार हथियार मारकर घायल कर दिया। बहन की चार दिन बाद शादी होने वाली है। उसके घायल होने की सूचना सुनकर ससुराल वाले भी उसका हाल जानने आए। इस मामले में पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

एसआईआर सर्वे के लिए शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

भुता में स्कूली बच्चों ने एसआईआर के प्रसार के लिए गांव में रैली निकाली। ● अमृत विचार

संवाददाता, भुता

अमृत विचार: ब्लॉक भुता के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्हौआ में एसआईआर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के छात्र छात्रओ एवं शिक्षकों ने रैली निकाली।रैली में गांगेपुरा संकुल प्रभारी संतोष पांडे ने लोगों को विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रपत्र भरने और मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने के लिए प्रेरित किया। बताया की सुपरवाइजर , बीएलओ घर-घर जाकर दस्तक देकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। इस दौरान न्याय पंचायत संकुल प्रभारी संतोष पांडेय, बीएलओ सईदुदीन राकेश कुमार ,सूफिया खातून ,उपासना ,उर्मिला देवी ,आदि रहे।

तहसीलदार ने बीएलओ को दिए दिशा-निर्देश

हाफिजगंज, अमृत विचार : तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने बुधवार को ग्राम बकैनिया, थाना हाफिजगंज में एसआईआर फॉर्म प्रक्रिया को लेकर बीएलओ को निर्देश दिए। कहा कि मतदाता सूची में सुधार और नाम जोड़ने/हटाने की प्रक्रिया को पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा करें। बीएलओ घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं का सत्यापन करें लोगों को एसआईआर फॉर्म भरने के सही तरीके की जानकारी देने के लिए जागरूक भी किया जाए, ताकि पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो घायल

नवाबगंज, अमृत विचार : बाजार से घर लौट रहे दो बाइक सवारों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इससे दोनों घायल हो गये। कार चालक फरार हो गया है। कार का नंबर देकर पीडित्त ने मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम समूहा भानपुर निवासी प्रार्थी फरमान अली के छोटे भाई आशिक पड़ोसी बिलाल के साथ मोटरसाइकिल से टाह से बाजार करके घर लौट रहे थे।तभी रतना गांव स्थित धर्म कांटे के पास सामने से आ रही कार ने मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इससे आशिक और पीछे बैठे बिलाल दूर जा गिरे। घायल के भाई फरमान अली ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बनें युवा

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : युवा वर्ग युवाओं के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने के साथ ही राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनें। नशा जैसे दुर्व्यसनों से बचकर स्वस्थ जीवन की बुनियाद को मजबूती प्रदान की जा सकती है। बुधवार को एक विद्यालय में आयोजित भाजयुमो के युवा सम्मेलन में यह बात जिलाध्यक्ष मुकेश राजपूत ने कही।

उन्होंने कहा आत्म निर्भर भारत बनाने को युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। उन्होंने नशा मुक्ति और स्वदेशी अपनाने पर जोर देते हुए एकता और अखंडता पर बल दिया। उन्होंने विकसित भारत पर बल देते हुए नशा से दूर रहने तथा स्वदेशी अपनाने को प्रेरित किया। मंडल अध्यक्ष नवनीत मौर्य ने सभी अतिथियों का पटुका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान वीरपाल सिंह अजय अरोड़ा यशपाल यादव नवनीत मौर्य, नंदराम आदि रहे।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष का स्वागत किया।

युवक सात दिन से लापता, फोन भी बंद

हाफिजगंज, अमृत विचार : नवाबगंज जाने की बात कहकर निकला युवक कहीं लापता हो गया है। उसका फोन भी बंद है। परिजन रहस्यमय गुमशुदगी को लेकर परेशान है। रिश्तेदारों में जानकारी करने के बाद भी युवक का कहीं पता नहीं चला है। अनिल कुमार(19) के पिता देवेंद्र कुमार की मृत्यु हो चुकी है। वह हीपरिवार की जीविका चला रहा था। बुधवार को अनिल की मां कुसुम थाने पहुंची और बेटे को खोजने की गुहार लगाई।

चोरों ने रात में सोलर केबल चुराई जलापूर्ति ठप

नवाबगंज, अमृत विचार : जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित पेयजल योजना पर अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर सोलर केबल चुरा ली। इससे जलापूर्ति ठप हो गई। योजना परिसर के अंदर लगे सोलर सिस्टम का डीसी केबल काटकर चोर फरार हो गये।

लावाखेड़ा तालिब हुसैन में करीब 150 मीटर तथा चुनुआ गांव में लगभग 130 मीटर लंबा डीसी केबल काटकर चुरा लिया गया है। इससेगांवों में जल संकट गहरा गया है। योजना के ऑपरेटर राकेश कुमार निवासी लावाखेड़ा ने नवाबगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाल ने मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज डायरी

जल्दी आओ ज्यादा पाओ योजना की जानकारी दी

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव रिछौला किफायतुल्ला में बुधवार को बिजली विभाग द्वारा चौपाल लगाई गई। इसमें एक दिसंबर से लागू होने वाली बिजली बिल राहत योजना की विस्तृत जानकारी दी। एक से 31 दिसंबर तक चलने वाले पहले चरण में उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफ करने के साथ 25 प्रतिशत मूलधन में छूट दी जाएगी। दूसरा चरण 1 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा, जिसमें 100 प्रतिशत ब्याज के साथ 20 प्रतिशत मूलधन में राहत मिलेगी। तीसरा चरण 1 फरवरी से 28 फरवरी तक होगा, जिसमें 100 प्रतिशत ब्याज के साथ 15 प्रतिशत मूलधन में छूट का लाभ मिलेगा। एसडीओ राजेंद्र कुमार व जेई नीरज ने बताया कि इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

विधि स्नातक हुए सम्मानित

नवाबगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम गंगापुर स्थित एशियन लॉ कॉलेज में बुधवार को विधि के छात्र-छात्राओं का भव्य उपाधि वितरण समारोह आयोजित किया गया। उपाधि प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समारोह में विधायक डॉ. एम.पी. आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप,डा. एके गंगवार, बार अध्यक्ष शिशुपाल गंगवार तथा पूर्व बार अध्यक्ष सैयद माजिद हुसैन जैदी और रविंद्र पाल गंगवार ने 99 विधि स्नातकों को उपाधियाँ प्रदान कीं। इससे पूर्व कॉलेज के एमडी नंद किशोर श्रीवास्तव, अभिषेक एवं मंत्री रेशम ने अतिथियों स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

समाधान दिवस में नौ विवाद सामने आए, तीन परिवारों में हुई सुलह

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना कोतवाली में आयोजित महिला समाधान दिवस में बुधवार को तीन दंपतियों के बीच आपसी सुलह कराई गई। कुल नौ दंपतियों के विवाद सामने आए, सुलह अधिकारियों गोपाल कृष्ण शर्मा राज, नत्थू लाल आर्य व निशात बानो ने बताया कि परामर्श और आपसी संवाद के माध्यम से तीन परिवारों के विवादों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष मामलों में दोनों पक्षों को समझाकर आगे की तिथि दी गई है।

आगरा और मथुरा का किया शैक्षिक भ्रमण

सेंथल, अमृत विचार : जवाहर लाल नेहरू इंटर कॉलेज हिमकरपुर चमरोआ के कक्षा 11 और 12 के भूगोल विषय के 42 विद्यार्थियों ने आगरा और मथुरा का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने आगरा में ऐतिहासिक लाल किला, विश्व प्रसिद्ध ताजमहल, फतेहपुर सीकरी और मथुरा में विभिन्न मंदिरों के दर्शन भी किए। इस दौरान यशपाल, सुरेंद्र प्रताप, हरि ओम और मोहन स्वरूप शिक्षक विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे।

विवाहिता को घर से निकाला,12 पर रिपोर्ट दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव गहर्रा निवासी शशि उर्फ रेखा ने थाना में दी तहरीर में बताया कि दो साल पूर्व उसकी शादी बिल्सी के रघुनाथपुर गांव निवासी अजनेश के साथ हुई थी। कुछ समय ठीक रहने के बाद ससुराल वाले 5 लाख रुपये व एक कार की मांग करने लगे। दो माह पूर्व मारपीट की और समझाने आए पिता को भी मारा पीटा, जिससे उनका हाथ टूट गया। शिकायत पर पुलिस और मोहल्लेवालों के समझाने पर मामला शांत कर दिया गया। एक माह पहले पति अजनेश,ससुर हरिचंद्र,सास सुशीला,जेठ वीर सिंह व बिजनेस,नंदोई रिंकू,नंद ममता,जेठानी गीता व प्रीति,चचिया ससुर नेकसू व चचेरे देवर अंकित ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। कुछ दिन पूर्व जानकारी हुई कि पति ने दूसरी शादी कर ली है। पुलिस ने शशि की तहरीर पर 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की बात कही।

युवती लापता युवक पर केस दर्ज

मीरगंज, अमृत विचार : शाही थाना क्षेत्र में एक 18 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित वेदप्रकाश ने सोमवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रात को सभी सदस्य घर में सो रहे थे। तभी 18 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई।उनकी बेटी को गांव का ही एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। सुबह जब परिजनों ने युवती को घर में नहीं पाया, रिश्तेदारों, पड़ोसियों और परिचितों से पूछताछ के बावजूद युवती का कोई पता नहीं चला।

करियर एंड इनोवेशन पर कार्यशाला आयोजित

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग में बुधवार को कॅरिअर एंड इनोवेशन विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता काउंसलर आरपी गंगवार रहे। डॉ. अनिल बिष्ट, डॉ. अश्विनी गुप्ता, प्रो. विनय ऋषिवाल, लाला राम, डॉ. पंकज, डॉ. प्रीति, डॉ. इरम, डॉ. पूजा, प्रो. एसएस बेदी, प्रो रवेंद्र सिंह आदि का सहयोग रहा।

संबद्धता रिन्यूअल न होने से छात्रवृत्ति पर संकट

कई महाविद्यालयों ने नया पाठ्यक्रम शुरू करने के बाद नहीं कराया रिन्यूअल, डेटा सबमिट नहीं हो पा रहा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- छात्रवृत्ति का डाटा अपलोड करने पर इस बार संबद्धता का लेटर अपलोड करना अनिवार्य

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध कई ऐसे महाविद्यालय हैं, जिनके विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति संकट में फंस सकती है। इन महाविद्यालयों ने नए पाठ्यक्रम तो शुरू किए लेकिन संबद्धता का रिन्यूअल नहीं कराया और छात्रों के प्रवेश लेते रहे। अब संबद्धता का लेटर अनिवार्य होने की वजह से डेटा सबमिट नहीं हो रहा है। जब तक विश्वविद्यालय की ओर से डाटा सबमिट नहीं किया जाएगा तब तक छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

छात्रवृत्ति योजना के तहत जब महाविद्यालयों का डेटा अपलोड किया जा रहा है तो पता चला कि कई ऐसे महाविद्यालय हैं, जिन्होंने नया पाठ्यक्रम या नया कॉलेज खोलने के दौरान तीन साल के लिए अस्थाई संबद्धता ली लेकिन इसके बाद इसका रिन्यूअल ही नहीं कराया। यही नहीं वह नए पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रवेश ले रहे हैं और उनकी परीक्षाएं भी हो रही हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। ऐसे कई महाविद्यालय हैं, जहां एमए का पाठ्यक्रम शुरू किया गया और उसकी स्थाई संबद्धता नहीं ली, ऐसे में उस महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का भी डेटा अपलोड नहीं हो रहा था। इसकी वजह से उनकी भी छात्रवृत्ति फंसने का डर सता रहा था, हालांकि अब पोर्टल पर पाठ्यक्रम के लिए अलग से ऑप्शन आ रहा है। स्नातक और परास्नातक के अलावा कई बीएड कॉलेज भी ऐसे हैं, जिन्होंने अस्थाई के बाद स्थायी संबद्धता नहीं ली है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि छात्रवृत्ति पोर्टल में महाविद्यालयों की संबद्धता की समस्या आई है। इस संबंध में महाविद्यालयों को नोटिस जारी कर संबद्धता के निर्देश दिए जाएंगे।

बरेली कॉलेज में छात्रवृत्ति फॉर्म पर छात्र कर रहे फर्जी हस्ताक्षर

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में छात्रवृत्ति फॉर्म जमा करने के लिए छात्रों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही हैं। छात्र के फॉर्म पर 75 प्रतिशत उपस्थिति के लिए विभागाध्यक्ष और विषय अध्यापक के हस्ताक्षर अनिवार्य हैं। जो छात्र कॉलेज कम या बिल्कुल कक्षाएं लेने नहीं आए हैं, वे भौतिक विज्ञान के प्रभारी प्रो. वीपी सिंह के फर्जी हस्ताक्षर करके दूसरे विभागों में हस्ताक्षर कराने पहुंच रहें हैं।

भौतिक विज्ञान के प्रभारी छात्रों के वास्तविक उपस्थिति के अनुसार फॉर्म पर उपस्थिति लिखकर हस्ताक्षर कर रहे हैं। वह साइन के साथ तारीख और छात्र की उपस्थिति का प्रतिशत भी लिख रहे हैं। जो छात्र कक्षाओं में कम आए वे छात्रवृत्ति फॉर्म पर भौतिक विज्ञान विषय के आगे विभाग प्रभारी के फर्जी हस्ताक्षर खुद कर ले रहे हैं। दो छात्र भौतिक विज्ञान विषय के आगे फर्जी हस्ताक्षर करके गणित विभाग पहुंचे तो गणित विभागाध्यक्ष ने उन्हें पकड़ लिया। हस्ताक्षर फर्जी होने पर छात्रों के फॉर्म को जमा कर लिया और चेतावनी देकर छोड़ दिया। 3 से 4 दिन पहले भी एक छात्रा फर्जी हस्ताक्षर करके पहुंची थी, जिसका भी फॉर्म मौके पर पकड़ कर जमा कर लिया गया था।

> हम छात्रों की वास्तविक उपस्थिति के अनुसार ही छात्रवृत्ति फॉर्म पर हस्ताक्षर कर रहें हैं। जो छात्र कक्षाएं करने कम आये हैं। वे फर्जी काम कर रहे हैं और पकड़े जा रहे हैं। छात्रवृत्ति काउंटर पर भी सभी विभागाध्यक्ष के ओरिजनल हस्ताक्षर का मिलान करके ही फॉर्म को जमा किया जाए। -प्रो. वीपी सिंह, प्रभारी भौतिक विज्ञान

> छात्र खुद से प्रोफेसर के फर्जी हस्ताक्षर कर रहे हैं तो यह गंभीर विषय हैं। इसको तत्काल प्रभाव से संज्ञान में लेकर दिखवाया जाएगा। -प्रो. ओपी राय, प्राचार्य

हमलावरों की गिरफ्तारी तक वकीलों की हड़ताल रहेगी जारी

विधि संवाददाता, बरेली : कचहरी में 18 नवंबर को दो अधिवक्ताओं पर हुए जानलेवा हमले के मामले में बुधवार को कचहरी स्थित बार सभागार में अधिवक्ताओं ने आंदोलन की अग्रिम रणनीति तय करने के लिए बैठक की। अधिवक्ताओं ने बैठक में एक स्वर से निर्णय लिया कि जब तक पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार नहीं कर लेती और वकीलों पर दर्ज फर्जी मुकदमा वापस नहीं लेती, तब तक अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेंगे।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज कुमार हरित ने कहा कि आंदोलन को सभी साथियों का सहयोग मिल रहा है। सभा में अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से न्यायिक कार्य न करने और आंदोलन जारी करने का निर्णय लिया गया। गौरव सिंह राठौर, हरीश आजाद, रोहित यादव, शीलम कन्नौजिया, जबर सिंह यादव, मोबीन अंसारी, आदि अधिवक्ता मौजूद रहे। संचालन सचिव दीपक पांडेय ने किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: यॉं/301/इज्जतनगर/ओटी-26

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरण: यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु वैगन के सीबीसी, बोगी इत्यादि की मरम्मत से सम्बन्धित कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार), अनुमानित मूल्य (रू.में): ₹ 1,95,18,129.40 (रूपये एक करोड़ पिच्यानवे लाख अठ्ठारह हजार एक सौ उनतीस एवं चालीस पैसे मात्र), बिड सिक्योरिटी (रू.में): ₹ 2,47,600/-(दो लाख सैतालिस हजार छः सौ रूपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): शून्य, कार्य अवधि: 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समय: दिनांक 16-12-2025 को 15:30 बजे।

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 25-11-2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर टेण्डर खुलने की तिथि 16-12-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषत: उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(4)** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उप मुयांइं/प्लान्ट, यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर

मुजाधि/यॉंत्रिक-96

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

दुष्कर्म पीड़िता पर कोर्ट से लौटते समय हमला

बरेली, अमृत विचार : सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता पर कोर्ट से लौटते समय कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। उसे गर्दन काटने और तेजाब फेंकने की धमकी दी। महिला ने किसी तरह भागकर खुद को बचाया। महिला की तहरीर पर बारादरी थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

महिला ने बताया कि उसने अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 24 नवंबर को वह कोर्ट से लौट रही थी। इसी बीच आरोपी रफत अली, जफर अली, शबाना एवं शेर बाबू ने मिलकर जानलेवा हमला कर दिया। गर्दन काटकर तेजाब डालने की धमकी दी। उसने किसी तरह से अपने अधिवक्ता की मदद से जान बचाई। महिला का आरोप है कि आरोपी मुकदमा वापस लेने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं। महिला की तहरीर पर पुलिस ने रफत अली, जफर अली, शबाना, शेर बाबू पर रिपोर्ट दर्ज की है।

दोस्त की शादी में गए युवक से मारपीट

बरेली, अमृत विचार: दोस्त की शादी में गए युवक पर दो लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। बिथरी चैनपुर थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गांव पुरनापुर निवासी गौतम पटेल ने बताया कि 23 नवंबर की रात वह अपने दोस्त रवि पटेल की शादी में डोहरिया रोड स्थित एक शादी हाल में गया था। वह डीजे के पास खड़ा था। वहां पास में अजय और मदन निवासी कलहारी खड़े थे, तभी मदन ने पीछे से उसका कॉलर पकड़कर गाली-गलौज करके मारपीट शुरू कर दी।

अपशिष्ट जमा करने वाली जगह पर लगवाएं कैमरे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीएम ने जिला पर्यावरण समिति, पौधरोपण समिति और गंगा समिति की बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पर्यावरण समिति, जिला पौधरोपण समिति और जिला गंगा समिति की बैठक हुई। इसमें डीएम ने निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट एकत्र करने वाली एजेंसियों के वाहनों की लॉगबुक तैयार कराएं। इसके अलावा अस्पतालों से जैव चिकित्सा अपशिष्ट एकत्र करने वाले स्थान पर सीसीटीवी लगवाएं और हर माह में हेल्थ केयर फैसिलिटी सेंटरों के निरीक्षणों की संख्या बढ़ाई जाए।

उन्होंने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए गए कि नकटिया और किला नदी में सीधे सीवेज प्रवाहित करने वाले आवासीय भवनों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करते हुए एक सप्ताह में नोटिस दें। अधिशासी अभियंता जल निगम शहरी व ग्रामीण को निर्देशित किया कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवाहित होने वाले ऐसे नाले जो सीधे रामगंगा नदी में गिरते हों को एसटीपी से टैप करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी, उप कृषि निदेशक अमर पाल समेत अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

भारी वाहनों का रात्रि में शहर में आवासीय क्षेत्रों से निकलने पर रोक लगाएं

डीएम ने एसपी ट्रैफिक और आरटीओ को निर्देश दिए गए कि भारी वाहनों का रात्रि में शहर में आवासीय क्षेत्रों से निकलने पर रोक लगाएं और उन्हें बाईपास किया जाए। नगर निगम विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए गए कि नगरीय क्षेत्र एवं विकास प्राधिकरण क्षेत्र में कूड़ा जलाने वालों को चिह्नित करके कार्रवाई करें। उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले में पराली जलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं।

पौधरोपण की अंतर्विभागीय क्रॉस चेकिंग की रिपोर्ट 30 तक की तलब

पौधरोपण के संबंध में निर्देश दिए कि वर्ष-2025 पौधरोपण लक्ष्यों का सभी विभागों द्वारा सफलतापूर्वक शतप्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की गई है। इस संबंध निर्देशित किया गया जिन विभागों के सत्यापन अधिकारियों ने रिपोर्ट नहीं दी है वे नामित सत्यापन अधिकारी पौधरोपण की अंतर्विभागीय क्रॉस चेकिंग रिपोर्ट 30 नवंबर तक प्रत्येक दशा में प्रभागीय वनाधिकारी को प्रेषित करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत नाँद अलगनी वि.खं. भुता (बरेली)

पत्रांक: 38/लेखा/निविदा/वर्ष 2025-26 — दिनांक: 24.11.2025

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नाँद अलगनी वि.खं. भुता बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम नाँद अलगनी में सी.सी. निर्माण कार्य श्री दिनेश के मकान से रामआसरे के मकान तक जिसकी अनुमान लागत 3.24 लाख है। सामग्री सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, प्रथम ईट रोड़ा आदि आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण की जाती है। समस्त निविदाएं दिनांक 01.12.2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत में दोपहर 12 बजे तक जमा कर सकते हैं। जिन्हें उसी दिन 4 बजे खोला जायेगा। जिस फार्म का टेन्डर सबसे कम दर का होगा। ग्राम पंचायत द्वारा उसे ही स्वीकार किया जायेगा।

विजय सिंह, सचिव — **ताराचन्द**, ग्राम प्रधान

डेयरी कारोबारी को पीटा, कान का पर्दा फटा

बरेली, अमृत विचार : एक व्यक्ति ने डेयरी कारोबारी से 15 भैंसें खरीदीं। जब रुपये मांगे तो उसके साथ मारपीट गई। पिटाई से उसके कान का पर्दा भी फट गया। पुलिस ने मामले में छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। सूफी टोला निवासी मोहम्मद अली ने बताया कि वह डेयरी व्यवसाय करते हैं। बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले प्रेमनगर के अशरफ खां छावनी निवासी आदिल को 15 भैंस 13 लाख रुपये में बेची थीं। आदिल ने 22 अक्टूबर को पैसे देने की बात कही थी। आदिल ने उसे 24 नवंबर को आजाद इंटर कॉलेज के पास पैसे देने के लिए बुलाया। वह उसके बताए पते पर पहुंचे। इसी बीच आदिल ने अपने भाई कादिर, नादिर, भूरा और दो अज्ञात लोगों को बुला लिया। आरोप है कि इन लोगों उसे लाठी डंडों से पीटना शुरू कर दिया। गले पर चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने आदिल, कादिर, नादिर, भूरा और दो अन्य अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कमिश्नर ने लिया संज्ञान तो दौड़ी ड्रग विभाग की टीम

- ड्रग इंस्पेक्टर ने बहेड़ी जाकर मामले की जांच की

बरेली, अमृत विचार : आगरा से नकली दवाओं की सप्लाई के मामले में दवा कारोबारी की शिकायत के बाद बुधवार को मामले का संज्ञान लेते हुए कमिश्नर भूपेंद्र एस. चौधरी ने सहायक आयुक्त औषधि संदीप कुमार को निष्पक्ष जांच के निर्देश देने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने बहेड़ी जाकर मामले में जांच की।

शहर के गली नवाबान निवासी लखनऊ ड्रग एजेंसी के मालिक मनोज कुमार खंडूजा ने 19 नवंबर को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि बिना जांच किए उनकी एजेंसी का लाइसेंस 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। उन्होंने सभी साक्ष्य उपलब्ध कराये। आरोप है कि व्यापारी ने जिन मेडिकल स्टोर को माल बेचा था। उनके ई बिल भी मौजूद हैं। कमिश्नर के आदेश पर वरिष्ठ ड्रग इंस्पेक्टर उर्मिला वर्मा बहेड़ी पहुंचीं और जगदीश मेडिकल स्टोर के बिलों का सत्यापन किया। दवाओं की सप्लाई लखनऊ ड्रग एजेंसी के माध्यम से हुई थी। इसके पक्के बिल मौजूद हैं।

यात्री को ट्रेन में पड़ा हार्ट अटैक, मौत

शाहजहांपुर। काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस में सफर के दौरान यात्री की हृदयगति रुकने से मौत गई। वाराणसी निवासी संजय सिन्हा की बेटी की शादी बरेली में थी। शादी के बाद वह ट्रेन से घर आ रहे थे।

न्यूज डायरी

श्रम कानून में परिवर्तन के विरोध में किया प्रदर्शन

बरेली, अमृत विचार : ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसिएशन के आह्वान पर बीमा कर्मी संघ बरेली डिवीजन के कर्मियों ने श्रम कानून में परिवर्तन के विरोध में बुधवार को डीडीपुरम में कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। बीटीयूएफ के महामंत्री संजीव मेहरोत्रा ने कहा कि अचानक 21 नवंबर को श्रम कानून बदल दिए गए, जो निंदनीय है। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं। बीमा कर्मी संघ की महामंत्री गीता शांत ने कहा कि सरकार नए श्रम कानून लागू करने के बाद काम के घंटे 12 करने की ओर अग्रसर है। श्रमिक वर्ग के हड़ताल के अधिकार पर भी नजर है, यह मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अध्यक्षता करते हुए बीमा कर्मी संघ के अध्यक्ष अरविंद देव सेवक ने कहा कि श्रम कानूनों में परिवर्तन कर मई दिवस के इतिहास पर भी प्रश्न चिन्ह लगाने का काम किया जा रहा है। इस दौरान पंकज कुमार, अनामिका सारस्वत, सर्वेश अग्रवाल, शशांक कुमार, रियाज अहमद, मनोज कश्यप, संदीप कुमार, पूनम ओबेरॉय, नीता चौधरी, अरविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आईएएस के बयान का ब्राह्मणों ने किया विरोध, कार्रवाई की मांग

बरेली, अमृत विचार : मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के बयान का विरोध शुरू हो गया है। ब्राह्मणों ने मध्य प्रदेश सरकार से ब्राह्मण विरोधी बयान देने वाले अफसर के खिलाफ मुकदमा कराने की मांग की है। बुधवार को बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट और कोतवाली पहुंचकर विरोध जताते हुए कार्रवाई की मांग की। ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित सर्वेश पाठक पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को सौंपा। ज्ञापन में संतोष वर्मा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। इस दौरान पंडित नंद किशोर मिश्रा, सुमित शर्मा, अमित शर्मा एड, भावना शर्मा, मोनिका शर्मा, नीलकांत पाठक एडवोकेट, सत्यम पाठक, अवनीश शर्मा आदि शामिल रहे। वहीं, कुछ ब्राह्मणों ने गुरुवार को आईएएस के खिलाफ एसएसपी से मिलने की रणनीति बनाई है।

बांके बिहारी मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का आरंभ

बरेली, अमृत विचार : श्री बांके बिहारी छप्पन भोग परिवार और श्री बांके बिहारी कल्याण समिति की ओर से बुधवार को राजेंद्र नगर स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ। मंदिर समिति ने कथा व्यास और श्रीमद् भागवत पोथी का विधिवत पूजन किया। वृंदावन के कथा व्यास राधे दास ने गोकर्ण- धुंधकारी प्रसंग सुनाते हुए कथा श्रवण का फल बताया। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया। रजिस्ट्रार नीरज पाठक मंदिर समिति के अध्यक्ष विनोद ग्रोवर, अश्वनी अरोड़ा, विजय गुप्ता, मनोहर धीरवानी, विजय बंसल, सुनील गुप्ता, संजीव गुलाटी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11449/142सी0(ई0टेण्डर)-3/25 — दिनांक: 20.11.2025

ऑन-लाइन अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार स्वीकृति की प्रत्याशा में ऑन लाइन ई-निविदा दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जनपद शाहजहाँपुर में रामगंगा नदी पर स्थित वजीरपुर घाट पर पान्टून पुल का निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	81.00	6.05	2725.00	08 माह	ए एवं बी (सेतु कार्य हेतु)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 241447 **दिनांक:** 25/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

(रथिन सिन्हा), अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र), अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 55/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 कार्य का विवरण:** मेण्डू डिपो में ट्रैक वैलास्ट के लिए निजी खदान से अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. स्पेसीफिकेशन आई.आर.एस.-जी.ई.-1 (फरवरी-2023) के अनुसार मशीन से तोड़ी गई पत्थर गिट्टी की रेलवे वैगनों में आपूर्ति एवं लदाई। **अनुमानित लागत रूपयों में :** 10,79,36,000.00/- **बयाना राशि रुपयों में (रु0) :** 6,89,700/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 10 (माह) 1. ई-निविदा दिनांक 16.12.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के **IREPS** वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0), इज्जतनगर

मुजाधि/डब्लू-348

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहाँपुर

पत्रांक: समग्र शिक्षा/एम.आई.एस./12200-207/2025-26 — दिनांक: 26.11.2025

यू-डायस+ से सम्बन्धित प्रेस विज्ञप्ति

जनपद शाहजहाँपुर में संचालित कक्षा 01 से कक्षा 12 तक के समस्त सरकारी / सहायता प्राप्त / मान्यता प्राप्त विद्यालयों (सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी., बेसिक शिक्षा, माध्यमिक बोर्ड, अल्पसंख्यक विभाग से संचालित मदरसा एवं अन्य) के द्वारा यू-डायस + 2025-26 ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल भरना अनिवार्य है, परन्तु कतिपय विद्यालयों (कक्षा 01 से 12) द्वारा अभी तक अपने विद्यालय का यू-डायस + 2025-26 में विद्यालय प्रोफाइल, शिक्षक प्रोफाइल एवं स्टूडेण्ट प्रोफाइल ऑनलाइन पूर्ण नहीं किया गया है। उपरोक्त श्रेणी के समस्त विद्यालयों से अनुरोध है कि यू-डायस+2025-26 पोर्टल https://udiseplus.gov.in पर नामांकित छात्र-छात्रा का GP, EP, FP एवं आधार आई.डी. जनरेट करने तथा ड्राप बॉक्स में एकत्रित छात्र-छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट कराये जाने का कार्य दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक पूर्ण कराते हुए डाटा सर्टीफाइड किया जाना है, क्योंकि दिनांक 30 नवम्बर, 2025 को भारत सरकार के द्वारा पोर्टल को बन्द कर दिया जायेगा तथा इसके उपरान्त पोर्टल पर कोई भी डाटा इण्ट्री सम्भव नहीं होगी। विद्यालय द्वारा स्वयं अपने यूजर आई.डी. से लॉगिन करके अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का विवरण पोर्टल पर फीड किया जाना है। इसके उपरान्त भी यदि कोई भी छात्र-छात्रा यू-डायस+पोर्टल पर फीडिंग से वंचित रह जाता है, इसका समस्त उत्तरदायित्व विद्यालय का होगा। कतिपय विद्यालयों द्वारा यू-डायस+पोर्टल पर नामांकित छात्र-छात्राओं का GP, EP, FP अपार आई.डी. जनरेट तथा ड्रापबॉक्स में एकत्रित छात्र-छात्राओं को सम्बन्धित विद्यालयों में इम्पोर्ट का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। यू-डायस+में उपरोक्त डाटा अपलोड न करने के उपरान्त भी सम्बन्धित विद्यालय के भौतिक रूप से संचालित पाये जाने पर सम्बन्धित विद्यालय के विरूद्ध शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अंतर्गत निर्धारित आर्थिक दण्ड लगाते हुये अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य/प्रबन्धक व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

दिव्या गुप्ता
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
शाहजहाँपुर

पूर्वोत्तर रेलवे — अधिसूचना संख्या : 217/2025

रेल यात्री बंधुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या - 15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक निम्नानुसार विस्तार किया जा रहा है-

15009/15010 गोरखपुर-पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस का इज्जतनगर तक विस्तार का नियमित संचलन

15009 गोरखपुर-इज्जतनगर दिनांक 27.11.2025 से		↓ स्टेशन ↑	15010 इज्जतनगर-गोरखपुर दिनांक 28.11.2025 से	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22.15	गोरखपुर	07.00	--
05.06	05.08	बाराबंकी	23.51	23.53
05.44	05.47	गोमती नगर	23.11	23.14
05.55	05.58	बादशाहनगर	22.58	23.01
06.10	06.45	डालीगंज	21.55	22.30
06.53	06.55	मोहिबुल्लापुर	20.55	20.57
07.25	07.27	सिधौली	20.22	20.24
07.56	08.01	सीतापुर जं.	19.47	19.52
08.22	08.24	हरगांव	19.20	19.22
08.45	08.50	लखीमपुर	18.58	19.03
09.15	09.17	गोला गोकरननाथ	18.28	18.30
09.55	10.00	मैलानी	18.00	18.05
10.28	10.31	पूरनपुर	17.07	17.10
11.40	11.45	पीलीभीत	16.05	16.10
12.15	12.17	भोजीपुरा	15.25	15.27
12.45	--	इज्जतनगर	--	15.10

नोट : 1. इज्जतनगर तक विस्तार होने के पश्चात गाड़ी सं. 15009/15010 डालीगंज से लखनऊ जं. के बीच निरस्त रहेगी।
2. गोरखपुर-बाराबंकी के मध्य के स्टेशनों के समय में कोई परिवर्तन नहीं है।

मुजाधि/टी-79 — मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

सब्जियों की पौध किसानों की बढ़ाएगी आय

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- माझौआ हेतराम में उद्यान विभाग की चल रही हाईटेक वेजीटेबल नर्सरी
- इजराइली तकनीक से कोकोपीट में किया जा रहा पौध का उत्पादन

अमृत विचार : जिला उद्यान विभाग की राजकीय पौधशाला में इजराइल तकनीक से रोग मुक्त शाकभाजी की हाइब्रिड पौध तैयार की गई है, जो किसानों के लिए कम लागत में पौध उपलब्ध करा रही है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी।

भुता रोड स्थित माझौआ हेतराम में हाईटेक वेजीटेबल नर्सरी राजकीय पौधशाला में सब्जी उत्पादकों को उनकी इच्छानुसार गुणवत्तायुक्त कम लागत में ज्यादा आमदनी के लिए विभाग की ओर से सब्जियों की पौध तैयार की जा रही है। जिसमें किसान अगर खुद नर्सरी को बीज उपलब्ध कराता है तो उसे एक रुपये पौध के हिसाब से भुगतान करना होता है, जो किसान बीज न उपलब्ध कराकर सीधे पौध खरीदेगा उसे दो रुपये प्रति पौधे के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।

नर्सरी में किसानों के लिए प्रतिवर्ष 5 लाख से अधिक पौधों का उत्पादन किया जा रहा है। नर्सरी संचालक धवल कुमार गुप्ता के अनुसार पौध का उत्पादन इजराइल तकनीकी के आधार पर कोकोपीट में तैयार किया जा रहा है। कोकोपीट में तैयार किए गए पौधे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में काफी आसान होते हैं। रोपित किए गए पौधों की जीवितता शत-प्रतिशत बनी रहती है। क्योंकि बुआई का माध्यम मृदा रहित होता है। रबी मौसम में तैयार होने वाली सब्जियों में टमाटर, गोभी, शिमला मिर्च, मिर्च, पत्तागोभी, अन्य लतावर्गीय सब्जियों की पौध नर्सरी में उपलब्ध है।

सब्जियों के बीजों का निशुल्क वितरण शुरू

बरेली, अमृत विचार : उद्यान विभाग की ओर से कार्यालय पर किसानों के लिए निशुल्क लौकी, तोरई, खीरा, प्याज, लहसुन के बीज वितरित किए जा रहे हैं। एससीपी योजना के तहत अनुसूचित जाति और जनजाति के कृषकों के लिए निशुल्क मिर्च, टमाटर, गेंदा और शिमला मिर्च के बीज दिए जा रहे हैं। योजना का लाभ 0.1 से 0.2 हेक्टेयर जमीन वाले किसानों को दिया जा रहा है। बीज लेने लिए किसानों को आधार कार्ड, खतौनी आदि जरूरी दस्तावेजों के साथ विभाग के कार्यालय में पहुंचना होगा। जिला उद्यान अधिकारी जितेंद्र कुमार के अनुसार योजना का लाभ पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किसानों को दिया जा रहा है।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंटर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं,उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था। अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

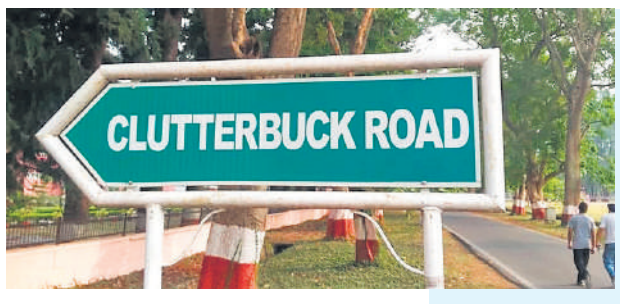

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 27 नवंबर 2025

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।

–शहीदे आजम भगत सिंह

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था। अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।

–ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।

–केशव प्रसाद मौर्य

डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी

लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष

ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। हृषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल

शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

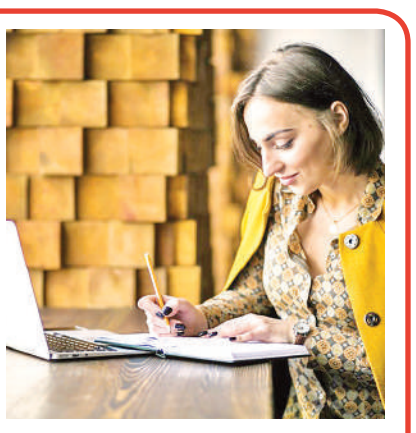

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609 .51	26,205 .30
बढ़त	1,022 .50	320 .50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 27 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि . 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3600, मसूरी-1300, बासमती- 7500, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4600, साबुत चना दाल- 4900, मूंग साबुत- 7200, राजमा- 10100-12300, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4800, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6200, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 3400

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- **बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

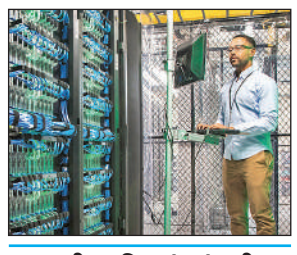

- **ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा**

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- **आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग**

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- **सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम**

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785 .32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912 .47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1 .32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1 .23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62 .50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

राष्ट्रीय

आतंक का वित्तपोषण कर रहे अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप्स

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा- इनका विनियमन करने के लिए कानून लाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **केंद्र ने कहा- इनका बेरोक-टोक विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अखंडता के लिए खतरा**

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग एप का आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंध है तथा इन वर्चुअल प्लेटफॉर्म का विनियमन करने को कानून लाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह इस मामले को सुनवाई के लिए गुरुवार को लेने का प्रयास करेगी।

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग का बेरोक-टोक विस्तार वित्तीय धोखाधड़ी, धन शोधन, कर चोरी और कुछ मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण से जुड़ा हुआ है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा, लोक व्यवस्था और राष्ट्र की अखंडता को खतरा पैदा हो रहा है। ऑनलाइन गेमिंग प्रणालियों का अक्सर व्यापक विज्ञापन अभियानों, सेलिब्रिटी और प्रभावशाली लोगों के समर्थन से विपणन होता है, जिससे उनकी पहुंच और प्रभाव बढ़ जाता है, खासकर युवाओं और कमजोर समूहों के बीच। सरकार ने कहा कि व्यक्तियों, परिवारों, समाज और देश पर ऑनलाइन मनी गेमिंग के हानिकारक और नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए तथा ऑनलाइन मनी गेम के लिए उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की प्रकृति, एल्गोरिदम और इसमें शामिल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क सहित तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, और यह देखते हुए कि वे विदेशी क्षेत्राधिकारों से संचालित होते हैं, ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 लाया गया।

पर्याप्त सामग्री और डेटा जो दर्शाते हैं कि अनियमित ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र का संबंध आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से है। साथ ही, आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन से संबंधों पर सीलबंद लिफाफे में अधिक जानकारी देने की पेशकश की गई।

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं। उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए।

- **सीजेआई ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा**

अन्य पीठों की सुनवाई में पुराने फैसलों को पलटे जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय चिंतित

सुप्रीम कोर्ट ने शीर्ष अदालत में पिछले फैसलों से व्यथित किसी पक्ष की याचिका पर बाद की पीठों या विशेष रूप से गठित पीठों द्वारा फैसलों को पलटने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि फैसले को अंतिम तौर पर बरकरार रखने से न केवल अंतहीन मुकदमेबाजी को रोका जा सकेगा, बल्कि न्यायपालिका में जनता का विश्वास भी कायम रहेगा। पीठ ने कहा कि हमने इस न्यायालय (जिसका हम भी एक अभिन्न अंग हैं) में एक ऐसी बढ़ती प्रवृत्ति को पाया है कि जिसमें न्यायाधीशों, चाहे वे अभी भी पद पर हों या नहीं, द्वारा सुनाए गए फैसलों और चाहे निर्णय सुनाए जाने के बाद से कितना भी समय बीत गया हो, उन्हें बाद की पीठों या विशेष रूप से गठित पीठों द्वारा किसी ऐसे पक्ष के कहने पर पलट दिया जाता है, जो पहले के फैसलों से व्यथित हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि यह प्राथमिक बात है, लेकिन इस बात को फिर से कहने की आवश्यकता है कि न्यायिक निर्णयों की पवित्रता और अंतिमता को बनाए रखना कानून के शासन के लिए मौलिक है।

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

- **प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से अहम निर्णय**

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी।

पुणे मेट्रो के विस्तार को 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दी है। बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंलाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है।

सीबीआई ने किया आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में भ्रष्टाचार का भंडाफोड़

नई दिल्ली, एजेंसी

- **न्यायिक सदस्य सहित तीन गिरफ्तार, कार से 30 लाख नकद बरामद**
- **जयपुर, कोटा व अन्य स्थानों पर तलाशी में मिले एक करोड़ नकद व आपत्तिजनक दस्तावेज**

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को जयपुर में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में रिश्वत के बदले अपीलों का निपटारा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक न्यायिक सदस्य सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एजेंसी ने गिरफ्तार न्यायिक सदस्य एस. सीतालक्ष्मी की कार से 30 लाख नकद बरामद किए।

सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि जयपुर, कोटा और अन्य स्थानों पर तलाशी के दौरान सीबीआई ने एक करोड़ रुपये से अधिक नकद, लेनदेन का विवरण, संपत्ति के दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए, जो एक संगठित सिंडिकेट का संकेत देते हैं। एक गुप्त सूचना के आधार पर एजेंसी ने मंगलवार को अपनी कार्रवाई शुरू की, जिसके बाद आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) के वकील राजेंद्र सिसोदिया को मुजम्मिल से हवाला नेटवर्क के जरिए कथित तौर पर 5.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। मुजम्मिल का मामला अपीलीय निकाय के समक्ष लंबित था।

उन्होंने बताया कि मुजम्मिल को सीतालक्ष्मी और सिसोदिया के साथ गिरफ्तार किया गया। यह सिंडिकेट भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त था और आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) की जयपुर पीठ के समक्ष लंबित अपीलों का निपटारा रिश्वत के बदले अपीलकर्ताओं के पक्ष में कर रहा था। प्रवक्ता ने कहा कि सीबीआई ने 25 नवंबर, 2025 को आईटीएटी के आरोपी अधिवक्ता और एक सदस्य व सहायक रजिस्ट्रार समेत अन्य के खिलाफ तत्काल मामला दर्ज किया।

आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने कहा कि सीईओ कार्यालय में सुरक्षा स्थिति अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

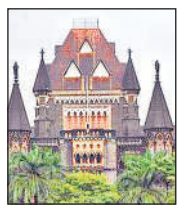

- **शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है**

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

यौन उत्पीड़न में स्वयंभू चैतन्यानंद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने निजी संस्थान की छात्राओं के यौन उत्पीड़न से जुड़े मामले में स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती और चार अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। पुलिस सूत्र ने बुधवार को बताया कि जांच पूरी होने के बाद 1,077 पृष्ठों का आरोपपत्र प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) की अदालत में पेश किया गया। जांच के दौरान कुल 43 गवाहों से पूछताछ की गई। चैतन्यानंद पर विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया है। सह-आरोपियों भावना कपिल, श्वेता और काजल कपिल के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल हुआ है।

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

- बहादुरगढ़ के भी बास्केटबॉल खिलाड़ी ने भी गंवाई है जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक के हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं, बहादुरगढ़ में रविवार को भी एक ऐसी ही घटना हुई, जिसमें 15 वर्षीय अमन सरकारी विद्यालय के परिसर में बने बास्केटबॉल कोर्ट में अभ्यास कर रहा था, उस पर खंभा गिरा था। सोमवार रात उपचार के दौरान पीजीआईएमएस रोहतक में उसकी मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह मामले से जुड़ी जानकारी लेने के बाद कोई टिप्पणी करेंगे।

2,700 साल पूर्व पलायन, भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

कौन है बेनी मेनाशे समुदाय

इजराइल ने दी वापसी के लिए मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 बेनी मेनाशे को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के आव्रजन को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने को स्वीकृत मिल गई है।

वतन वापसी के लिए किए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही इजराइल जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

यहूदी के साथ हिंदू और ईसाई धर्म मानता है समुदाय

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैतै है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। इस समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैतै कपड़े शामिल होते हैं। इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैतै संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

हांगकांग में आग से 36 की मौत, 279 लापता

हांगकांग। हांगकांग के नेता जॉन ली ने कहा है कि बुधवार को एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी आग में 36 लोगों की मौत हो गई तथा 279 अन्य लोग लापता बताए गए हैं। ली ने बताया कि 29 लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। न्यू टेरिटोरीज के उपनगर ताई पो में लगी आग पर देर रात काबू पा लिया गया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने एएसआई तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

हैदराबाद, एजेंसी

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है भारत

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पिछले सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना (78) के प्रत्यर्पण की मांग की थी। बांग्लादेश कोर्ट ने उन्हें मौत की सजा सुनाई है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा कि भारत शेख हसीना को प्रत्यर्पित किए जाने के बांग्लादेश के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह उस देश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

गाड़ी के फैंसी नंबर के लिए 1.17 करोड़ की बोली

चंडीगढ़। हरियाणा में एक व्यवसायी ने एक फैंसी वाहन नंबर के लिए 1.17 करोड़ रुपये की बोली लगाई। बुधवार को चरखी दादरी जिले के बाढड़ा उपमंडल में वाहन पंजीकरण संख्या एचआर-88-बी-8888 के लिए सबसे अधिक बोली लगाई गई।

अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह बोली निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन बोली प्रक्रिया के दौरान लगाई गई थी। कारोबारी के पास बोली राशि जमा करने के लिए पांच दिन का समय है, जिसके बाद प्रक्रिया पूरी होने पर नंबर आवंटित कर दिया जाएगा।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00.29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

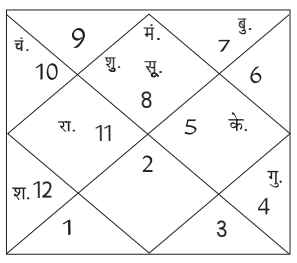

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02.32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई। यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश ने संभलकर खेलते हुए 18.2 ओवरों में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अजलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरुआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिए पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव बनाये रखा और जीत हासिल की।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार हुआ सूपड़ा साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया।

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन

भारत पहली पारी : 201 रन

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे हम : गिल

नई दिल्ली : गर्दन की चोट के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल ने एकजुटता और पक्का इरादा दर्शाते हुए कहा कि इस हार के बावजूद टीम और मजबूत होगी। गिल ने 'एक्स' पर लिखा शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत : ऋषभ पंत

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर शृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी शृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस शृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी शृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा शृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर शृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को शृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने शृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था। भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं। आज भी मैं वही बात कह रहा हूं। उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए। मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं। मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा। एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में शृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शृंखला खेलेगी।

श्रीकांत, प्रियांशु, उन्नति व प्रणय अगले दौर में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

अमृत विचार: योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर-300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में जोरदार शुरुआत की। पुरुष और महिला एकल में शीर्ष भारतीय शटलरों के. श्रीकांत, एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत, किरन जॉर्ज, थारुण मन्नापल्ली और उन्नति हुड्डा ने जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के केविन थंगम को 21-13, 21-10 से पराजित किया। श्रीकांत अब दूसरे दौर में सनीथ दयानंद से भिड़ेंगे, जिन्होंने अभिनव ठाकुर को 21-10, 21-14 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय ने भी आत्मविश्वास से भरे खेल का प्रदर्शन किया और हमवतन शाश्वत दलाल को 21-15, 21-10 से मात दी।वहीं पिछले साल के सेमीफाइनलिस्ट प्रियांशु राजावत ने

पहले गेम में कड़ी चुनौती झेलने के बावजूद एम. मैसनाम को 21-18, 21-14 से पराजित किया। अगले दौर में उनका मुकाबला बीएम राहुल भारद्वाज से होगा। चौथी वरीयता प्राप्त किरन जॉर्ज ने इजरायल के डैनियल दुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराया, जबकि छठवीं वरीयता प्राप्त थारुण मन्नापल्ली ने सतीश कुमार करुणाकरन को 21-7, 21-9 से मात दी।

शीर्ष वरीय जिया हेंग जेसन तेह (सिंगापुर) ने भारत के ऋत्विक संजीवी सतीश कुमार को 21-19, 21-17 से हराया। भारत के सिद्धार्थ गुप्ता और आलाप मिश्रा भी अगले दौर में पहुंच गए। इसके साथ ही महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा ने शानदार शुरुआत करते हुए आकर्षी कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया। उन्नति ने स्मूथ मूवमेंट और आक्रामक नेट प्ले से विरोधी को कोई मौका नहीं दिया। तस्नीम मीर ने रोमांचक मुकाबले में अदिति भट्ट को 21-15, 11-21, 21-17 से मात दी, जबकि रक्षिता संतोष रामराज ने श्रेया को 21-12, 21-14 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। तान्या हेमनाथ ने ताइपे की यी ईन को 21-13, 21-12 से हराया। अनुपमा उपाध्याय ने युगांडा की खिलाड़ी को आसानी से 21-8, 21-9 से हराया। देविका सिहाग ने भी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की।

2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 2023 की चैंपियन, जापान की दूसरी वरीय नोजोमी ओकुहारा ने कड़े मुकाबले में भारत की अदिता राव को 22-20, 21-14 से हराया। उप्र की मानसी सिंह ने यूएई की प्रकृति भारथ को 21-15, 21-10 से हराया और अगले दौर में प्रवेश किया।

वहीं मिश्रित युगल में यूपी की श्रुति मिश्रा और आयुष अग्रवाल की जोड़ी को तीसरी वरीय मलेशिया के वोंग तियेन सी-लिम चिउ सिएन ने 21-18, 21-14 से हराया। मिश्रित और युगल मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीय सतीश कुमार करुणाकरन -आद्या वरियथ की जोड़ी ने जीत दर्ज की।

युगल के विजेता

रोहन कपूर - रूत्विका शिवानी गड्डे
हरिहरन - त्रिशा जाली
एफ. संजय अमन -रुतुपर्णा पांडा
मिथिलेश -वर्ना
नितिन एचवी -श्रीनिधि
असिथ सूर्या -ए. प्रथमेश
ध्रुव रावत -मनीषा

खेल मंत्री ने जताया हर्ष | **अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन**

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिए गर्व का पल बताते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

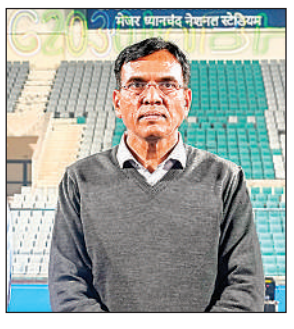

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिए गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिए ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया। कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ। यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है। उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है। हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं। खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है। मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा, तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पाएंगे।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया।

उजबेकिस्तान के सिंडारोव ने जीता फिडे विश्व कप

पणजी, एजेंसी

उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव ने बुधवार को यहां चीन के वेई यी को हराकर फिडे विश्व कप जीत लिया। इससे वह 19 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए।

वेई यी ने सफेद मोहरों के साथ एक और आसान ड्रॉ खेला। लेकिन सिंडारोव ने दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। युवा खिलाड़ी सिंडारोव ने 16वें वरीय के रूप में शुरुआत की थी और अब 120000 डॉलर (एक करोड़ रुपये से ज्यादा) की पुरस्कार राशि प्राप्त की। सिंडारोव और वेई दोनों कैंडिडेट्स में खेलेंगे।

वेई को 85000 डॉलर की राशि मिली। सिंडारोव, वेई यी और रूस के एंड्री एसिपेंको ने इस विश्व कप से क्वालीफाई किया। उनके साथ अमेरिका के फैबियानो कारुआना, हॉलैंड के अनीश गिरी और जर्मनी के मैथियास ब्लूबाम भी होंगे।

चीन के वेई यी के खिलाफ खेलते उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंडारोव (बाएं)। एजेंसी

- चीन के वेई यी को हराकर ये उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने